मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 7 अंक 257
मंगलवार, 08 अप्रैल 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshakti.co.in

बस्तर अब भय नहीं, बल्कि भविष्य का पर्याय बन रहा है: अमित शाह

छत्तीसगढ़, 07 अप्रैल। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री तथा भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता अमित शाह ने हाल ही में छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में बस्तर पंडुम कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्पष्ट ऐलान किया कि, जिस बस्तर में गोलियों की गूँज रहती थी, वहाँ अब स्कूल की घंटियाँ बज रही हैं, जहाँ सड़क बनाना सपना था, वहाँ राजमार्ग बन रहे हैं। बस्तर अब भय नहीं, बल्कि भविष्य का पर्याय बन रहा है। आज मोदी जी के वोकल फॉर लोकल अभियान के तहत छत्तीसगढ़ के हर जिले के एक विशिष्ट उत्पाद को जीआई टैग से जोड़कर देशभर के बाजारों में उसकी मार्केटिंग की व्यवस्था की जा रही है। बस्तर के आदिवासी नायक वीर गुंडाधूर जैसे स्वतंत्रता सेनानियों को सम्मान देने का काम हो या भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस और 150वीं जयंती वर्ष को जनजातीय गौरव वर्ष मनाने का काम हो, मोदी सरकार ने सब कुछ संभव किया है।

बीते कुछ वर्षों में प्रधानांत्री नरेन्द्र मोदी के नक्सल मुक्त भारत के सपने को साकार करने में जुटे केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की नीतियों के कारण लाल आतंक समाप्त होने की कगार पर आ पहुँचा है। नेपाल से लेकर कर्नाटक तक रेड कॉरिडोर का सपना पालने वाले नक्सली आज खुद अपने छुपने के लिए सुरक्षित जगह ढूंढ रहे हैं। नक्सलवाद को नासूर मानने और अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुँचाने वाले शाह ने तो यह भी स्पष्ट कर दिया कि जो भी नक्सली हथियार डालकर मुख्यधारा में

शामिल होंगे, मोदी सरकार में उनका स्वागत होगा। लेकिन, जो युवा हथियार के साथ आएंगे उन्हे मुँहतोड़ जवाब दिया जाएगा। कौन नहीं जानता है कि बच्चे स्कूल जाएंगे, माताओं के स्वास्थ्य की चिंता होगी, आदिवासी और युवा कुपोषण से पीड़ित नहीं होंगे, हर गाँव में दवाखाना और तहसील में अस्पताल होने पर ही विकास संभव है। यही वजह है कि मोदी जी के नेतृत्व और अमित शाह के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ की डबल इंजन सरकार ने घोषणा की है कि जो गाँव सभी नक्सलियों को सरेंडर कराएगा, उस गाँव को नक्सलवाद मुक्त घोषित कर एक करोड़ रूपए की विकास राशि दी जाएगी।भारतीय राजनीति के चाणक्य शाह ने स्पष्ट संदेश दिया कि विकास के लिए हाथ में बंदूक नहीं, कंप्यूटर चाहिए, क्एऊ और हथगोला नहीं बल्कि कलम चाहिए। शाह की सख्त नीतियों के तहत सिर्फ 2025 में अब तक 521 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है, जबकि 2024 में कुल 881 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया था। नक्सलवाद को जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए तत्पर शाह की नीतियों से यह तय है कि जो नक्सली हथियार छोड़ेंगे वे मुख्यधारा में शामिल होकर आगे बढ़ सकेंगे, लेकिन जो हथियार उठाकर हिंसा के रास्ते पर चलेंगे उनके साथ सख्ती से निपटा जाएगा। ऐसे में शाह की भविष्यवाणी सच होने वाली है कि मार्च, 2026 तक यह देश नक्सलवाद से मुक्त हो जाएगा। नक्सलवाद के खिलाफ शाह की रणनीतियों का ही असर है कि आज विकास, विश्वास और विजय की लौ के साथ बस्तर आगे बढ़ रहा है।

सड़क पर बस के पलट जाने से एक बच्चे समेत दो यात्रियों की मौत, 14 घायल

देहरादून, 07 अप्रैल। देहरादून जिले के सहसपुर में सोमवार को एक वाहन से टकराकर बस के सड़क पर पलट जाने से एक बच्चे समेत दो यात्रियों की मौत हो गयी तथा 14 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। उसने यहां बताया कि विकासनगर से देहरादून आ रही बस सहसपुर के सिंहनीवाला क्षेत्र में एक मालवाहक वाहन से टकराकर सड़क पर पलट गयी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और उसने स्थानीय लोगों की मदद से बस में फंसे लोगों को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया जहां चिकित्सकों द्वारा एक व्यक्ति और एक बच्चे को मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस का कहना है कि 14 घायलों का अस्पताल में उपचार किया जा रहा है। अभी मृतकों की शिनाख्त नहीं हो पायी है।

भारत माता की जय कहने वाले मुसलमानों का संघ की शाखा में स्वागत है : मोहन भागवत

नई दिल्ली, 07 अप्रैल। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने कहा है कि आरएसएस शाखा में हर किसी का स्वागत है बशर्ते व्यक्ति खुद को भारतीय मानता हो और भारत माता के प्रति सम्मान रखता हो। उन्होंने कहा कि शाखाएं उन सभी का स्वागत करेंगी जो 'भारत माता की जय' नारे और 'भगवा झंडा' का सम्मान करते हैं। हम आपको बता दें कि मोहन भागवत इस समय वाराणसी के दौरे पर हैं। रविवार को संघ प्रमुख वाराणसी शहर के मलदहिया के लाजपत नगर पार्क में आरएसएस की शाखा में शामिल होने पहुंचे। स्वयंसेवकों ने उनसे सवाल पूछा कि क्या वह अपने मुस्लिम पड़ोसियों को भी शाखा ला सकते

हैं? इसका जवाब देते हुए आरएसएस प्रमुख ने कहा कि जो कोई भी भारत माता की जय कहता है, उसका देश भर की शाखाओं में स्वागत है। हालांकि, उन्होंने कहा कि शाखा उन लोगों के लिए नहीं है जो खुद को औरंगजेब का वंशज मानते हैं। उन्होंने कहा कि शाखा में जाति, धर्म या भाषा के आधार पर भेदभाव नहीं किया जाता।

संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि भारतीयों की धार्मिक प्रथाएं भले ही अलग-अलग हों, लेकिन उनकी संस्कृति एक ही है। उन्होंने कहा कि भारत में सभी धर्मों, संप्रदायों और जातियों के लोगों का शाखाओं में स्वागत है। हम आपको यह भी बता दें कि लाजपत नगर में आयोजित कार्यक्रमों में हिस्सा लेने से पहले भागवत ने शनिवार शाम को काशी के वैदिक विद्वानों के साथ बैठक की, जिसमें उन्होंने भारत को विश्व गुरु बनाने के लक्ष्य को हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत करने का आह्वान किया।

प्राइवेट स्कूलों में फीस बढ़ोतरी पर रेखा गुप्ता सरकार सख्त

नई दिल्ली, 07 अप्रैल। दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने कहा कि सरकार मनमाने ढंग से फीस बढ़ाने वाले निजी स्कूलों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगी। उन्होंने पिछली आप सरकार पर आरोप लगाया कि जब उनके कार्यकाल में कुछ स्कूलों ने फीस बढ़ाई थी, तब भी वे आंखें मूंदे बैठी थीं। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए सूद ने कहा कि ऐसे स्कूलों की सूची तैयार कर ली गई है और उनमें से प्रत्येक का निरीक्षण किया जाएगा। उन्होंने आश्वासन दिया कि निष्कर्षों के आधार पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

आशीष सूद ने बताया कि दिल्ली में 1,677 निजी स्कूल हैं, जिनमें से 335 सरकारी जमीन पर हैं। 114 स्कूलों को दिल्ली

स्कूल अधिनियम 1973 के अनुसार राज्य सरकार से अनुमति लेने के लिए बाध्य नहीं किया गया है। दिल्ली स्कूल की फीस बढ़ाने के लिए हमें दोषी ठहराया जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने 2004 के मॉडर्न स्कूल मामले में आदेश पारित किया था कि दिल्ली के स्कूल अपनी फीस बढ़ाने से पहले शिक्षा निदेशालय से अनुमति लेने के लिए बाध्य हैं। लेकिन उन्होंने (आप) 2024 में दिल्ली उच्च न्यायालय में इस आदेश को खारिज करवा लिया।

मंत्री ने आगे कहा कि रेखा गुप्ता ऐसे मामलों में भ्रष्टाचार की जांच करेंगी, जहां अंडर टेबल पैसे लिए गए। उनका आरोप है कि हमने एहल्कन इंटरनेशनल स्कूल की फीस बढ़ाई। इस स्कूल में 15 करोड़ रुपये का भ्रष्टाचार पकड़ा गया, और फिर भी इसे उसी साल (2022-23) 15% फीस बढ़ाने की अनुमति दी गई और 2024-25 में इसने 13% फीस बढ़ा दी... इस दौरान आतिशी मुख्यमंत्री थीं। एंजल पब्लिक स्कूल ने 2022-23 में 14% फीस बढ़ा दी, लेकिन कोई जांच नहीं हुई। आप पर वार करते हुए उन्होंने कहा कि वे सलवान पब्लिक स्कूल का नाम ले रहे हैं, जो 1.66 करोड़ रुपये की हेराफेरी में पकड़ा गया, जिसने 2023-24 में 23.84% और 2024-25 में 14.68% फीस बढ़ा दी... लांसर्स कॉन्वेंट स्कूल ने भी कथित तौर पर 4 करोड़ रुपये भ्रष्टाचार के रूप में खर्च किए और इसने 2024-25 में 34% फीस बढ़ा दी और पिछली सरकार ने कोई जांच नहीं की। सभी 1,677 स्कूलों का ऑडिट होना चाहिए, जबकि पिछले 10 वर्षों से सालाना केवल 75 स्कूलों का ऑडिट हुआ है। पहली बार सीएम रेखा गुप्ता के नेतृत्व में एक कमेटी बनाई जाएगी और सभी स्कूलों का ऑडिट किया जाएगा और अगर कोई स्कूल किसी भी मापदंड पर खरा नहीं उतरता है, तो उसे बख्शा नहीं जाएगा। इससे पहले दिल्ली विधानसभा में विपक्ष की नेता आतिशी ने सोमवार को आरोप लगाया कि राजधानी में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने के बाद निजी स्कूलों ने मनमानी फीस वृद्धि की है। दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री ने संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया कि कई स्कूलों ने भाजपा के प्रोत्साहन से, बिना उचित निगरानी के अपनी ट्यूशन फीस में मनमानी वृद्धि की।

लूट, वसूली, हेराफेरी सब मोदी सरकार के पर्याय बन चुके हैं : मल्लिकार्जुन खड़गे

नई दिल्ली, 07 अप्रैल। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने सोमवार को बताया कि रसोई गैस या घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 50 रुपये प्रति सिलेंडर की बढ़ोतरी की गई है। सब्सिडी वाले और सामान्य श्रेणी के ग्राहकों दोनों के लिए कीमत में बढ़ोतरी की गई है। अब इसको लेकर विपक्ष सरकार पर हमलावर हो गया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि एलपीजी गैस सिलेंडर की ही कमी रह गई थी, मोदी जी। इस बार तो महँगाई का चाबुक उज्जवला की गरीब महिलाओं की बचत पर भी चल गया। उन्होंने आरोप लगाया कि लूट, वसूली, हेराफेरी सब मोदी

सरकार के पर्याय बन चुके हैं।

टीएमसी नेता कुणाल घोष ने कहा कि हम इस तरह की मूल्य वृद्धि का कड़ा विरोध करते हैं। यह लोगों पर बोझ है। केंद्र सरकार अपनी जनविरोधी नीतियों के कारण जनविरोधी है। ये मूल्य वृद्धि 'रोटी, कपड़ा और मकान' से संबंधित वस्तुओं के लिए है। हम इसकी निंदा करते हैं। पिछले सप्ताह, वाणिज्यिक एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमतों में 41 रुपये की कमी की गई थी। मूल्य संशोधन ने रेस्तरां, होटल और अन्य वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों को प्रभावित किया जो दैनिक कार्यों के लिए इन सिलेंडरों का उपयोग करते हैं। आज ही पहले सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर अपना उत्पाद शुल्क भी बढ़ा दिया है, हालांकि, इस बढ़ोतरी का बोझ उपभोक्ताओं पर नहीं डाला जाएगा और इसका बोझ तेल विपणन कंपनियों द्वारा उठाया जाएगा।

एक आधिकारिक आदेश में बताया गया कि पेट्रोल पर उत्पाद शुल्क बढ़ाकर 13 रुपये प्रति लीटर और डीजल पर 10 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है। इसमें कहा गया है कि शुल्क में वृद्धि अप्रैल 2025 की 8 तारीख को लागू होगी।

दंतेवाड़ा में सुरक्षा बलों के समक्ष 26 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में सोमवार को सुरक्षा बलों के सामने 26 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया, जिनमें तीन इनामी नक्सली भी शामिल हैं। राज्य को नक्सल मुक्त बनाने के सरकार के प्रयासों के बीच यह कदम उठाया गया है। हाल के महीनों में सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ों की एक श्रृंखला देखने को मिली है, जिसमें कई उग्रवादियों को मार गिराया गया है। हालांकि, एक सकारात्मक बदलाव यह भी देखने को मिला है कि अब कई नक्सली आत्मसमर्पण कर रहे हैं। दंतेवाड़ा के पुलिस अधीक्षक गौरव राय के अनुसार, नक्सलियों ने पुलिस और सीआरपीएफ के वरिष्ठ अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण किया और खोखली और अमानवीय माओवादी विचारधारा से अपनी निराशा व्यक्त की।

अरुणोदय सर्जिकल एण्ड ट्रामा सेन्टर
ARUNODAYA Surgical & Trauma Center

जनरल सर्जरी
स्त्री एवं प्रसूति रोग
आर्थोपेडिक (सर्जरी एवं परामर्श)
कीमोथिरैपी सुविधा उपलब्ध
न्यूरो सर्जरी (परामर्श एवं सर्जरी)
वेन्टिलेटर एवं डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध
प्रशिक्षित डाक्टर स्टाफ तथा सभी मानकों पर खरा उतरने वाला जनपद का एक मात्र हास्पिटल
दूरबीन विधि द्वारा सभी प्रकार की सर्जरी
जनरल मेडिसिन, मधुमेह रोग
गुर्दा एवं मूत्र रोग (सर्जरी एवं परामर्श)
गैस्ट्रोइन्टरोलॉजी (इण्डोस्कोपी एवं कालोनोस्कोपी)
एक्सीडेण्टल एवं ट्रामा इमरजेन्सी
सेवा 24 घण्टे उपलब्ध

डा. अरूण आर. सिंह
कन्सल्टेन्ट लैप्रोस्कोपिक सर्जन
एस.एम.ओ.) एल.टी.एम.एम. जी. एच. (सायन हॉस्पिटल मुम्बई)
स.आर.) एम. जी.एम. मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल (नवी मुम्बई)
रजि.नं.-82945 (यू.पी.एम.सी.)

डा0 पुनीत सिंह
M.S.M.C.H.
गुर्दा एवं मूत्र रोग विशेषज्ञ (यूरो सर्जन)

डा0 रवि प्रकाश सिंह
M.S. (Ortho)
हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ

डा0 प्रभात सिंह
M.D.(Medicine)
कंसल्टेंट फिजिशियन

डा0 सुमित कुमार सिंह
M.D.(Neuro Psychiatrist)
मानसिक रोग विशेषज्ञ

24/7 Emergency Services

बीमा कार्ड धारकों के लिए विशेष सुविधा उपलब्ध
Medi Assist STAR
आयुष्मान कार्ड द्वारा निःशुल्क इलाज की सुविधाएं
8090966086,8090015086
कलीचाबाद,जौनपुर

जरूरतमंद सीनियर सिटिजन के बेहतर देख-भाल हेतु समर्पित संस्था
YASHOJYOTI FOUNDATION'S
(MAHA/1211/2013/THANE)
ज्योति ओल्ड एज होम
JYOTI OLD AGE HOME
WE SERVICE FOR HUMANITY
Home For Aged, Senior Citizans, Pentioners Paralysis,

Dr. Jyoti MD (AM)

• Diabetic, Bed Ridden Patients.,• Paralysis, Alzheimer's dementia, post operative, palliative care schizophrenia, Treatement if needed., • Food Will Be Served Breakfast Lunch, Supple Dinner. (Veg & Non Veg), • Entertainment: Tv, Tape, News Paper, Indoor Games, Ample Place For Walking, Yoga., • 24x7 Ward Boy, Aaya, Atendant To Take Care., • Doctor's visit every day., • Specialist (Psyciaric, Dentist, Cardiologyst, physcian) visit on c, • Ambulance service on call., •
CONTACT NO.- 9820674896/9664682587
Padmakar Mhatre Hospital, Opp. Kakad Paradise, Penkar Pada, Mira Road (E), Thane - 401 107.

जजों की संपत्ति का प्रकटीकरण पारदर्शिता की ओर कदम

-ललित गर्ग

न्यायपालिका पर जनता का भरोसा लोकतंत्र का अहम आधार है। न्यायिक प्रणाली में किसी संदेह की गुंजाइश नहीं रहे, इसके लिये न्यायपालिका में अधिक पारदर्शिता, जबावदेही एवं निष्पक्षता की जरूरत है, इसके लिये सर्वोच्च न्यायालय से निचली अदालतों तक के न्यायाधीशों को संपत्ति सार्वजनिक करने जैसे कदम उठाए जाने की अपेक्षा आजादी के अमृतकाल में तीव्रता से की जा रही थी, ताकि न्यायपालिका की पारदर्शिता को लेकर उठने वाले संदेह दूर हो सकें, यह मुद्दा जस्टिस यशवंत वर्मा के घर कथित तौर पर जली हुई नोटों की गड्डी मिलने जैसी घटनाओं और उनसे उपजे विवादों के बाद गंभीर सार्वजनिक विमर्श का बन गया था। जनचचाओं एवं आदर्श राष्ट्र-निर्माण की अपेक्षाओं को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट के न्यायधीशों ने अपनी संपत्ति का ब्योरा सार्वजनिक करने पर जो सहमति जताई है, वह सही दिशा में उठाया गया उचित एवं प्रासंगिक कदम है। इससे न्यायपालिका में पारदर्शिता बढ़ाने में मदद मिलेगी और आम लोगों का उस पर भरोसा मजबूत होगा। देश में न्यायालयों को ऐसी संस्था के रूप में देखा जाता है, जो आम लोगों के लिए न्याय की आखिरी उम्मीद है। न्याय करने वाले न्यायाधीशों पर संदेह के बादल मंडराना न्याय-प्रक्रिया पर भरोसा कम करने का एक बड़ा कारण बनता रहा है। अब जनता की अपने पंच-परमेश्वरों की स्वच्छ-धवल छवि की आकांक्षा पूरी होते हुए दिखाई देना एक रोशनी बना है, जिससे न्याय प्रक्रिया के प्रति विश्वास ज्यादा मजबूत होगा। नया भारत बनाने एवं सशक्त भारत बनाने के लिये न्यायिक प्रक्रिया में सुधार एवं पारदर्शिता सर्वोच्च प्राथमिकता होनी ही चाहिए।

न्यायधीशों को भी अपनी संपत्ति को सार्वजनिक करने का मुद्दा बहुत पुराना रहा है। 1997 में सुप्रीम कोर्ट ने एक प्रस्ताव पारित किया था, जिसके अनुसार हर न्यायाधीश को अपनी प्रॉपर्टी और देनदारियों के बारे में चीफ जस्टिस को बताना होता है। बाद में, एक और प्रस्ताव आया कि न्यायाधीश चाहें तो अपनी संपत्ति का ब्योरा सार्वजनिक कर सकते हैं, लेकिन यह अनिवार्य नहीं, स्वैच्छिक था। पिछले लगभग तीन दशक में, यह मामला कई बार उठा है। सूचना का अधिकार लागू होने के बाद यह बहस भी हुई कि न्यायपालिका इसके दायरे में क्यों नहीं? इसके पीछे यही तर्क रहा कि किसी निजी जानकारी को तब तक साझा करने की जरूरत नहीं, जब तक उससे सार्वजनिक हित न जुड़े हों। 2010 और 2019 में जब सुप्रीम कोर्ट में यह केस आया था, तब इसी तथ्य को आधार बनाकर कहा गया कि जानकारी सार्वजनिक करना न्यायाधीशों की इच्छा पर है। एक तरह से यह व्यवस्था न्यायाधीशों को लगातार संदेहों के घेरे में रखती रही है। उम्मीद की जानी चाहिए कि सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों द्वारा संपत्ति की सार्वजनिक घोषणा का निर्णय न्यायपालिका में पारदर्शिता कायम करने वाला एक सराहनीय कदम होगा। जजों की संपत्ति सार्वजनिक करने की मांग के पीछे बड़ा तर्क भी यही दिया जाता रहा है कि जब तक जजों की संपत्ति सार्वजनिक नहीं होगी, न्यायपालिका में भ्रष्टाचार के आरोपों पर ठोस कार्रवाई संभव नहीं हो सकेगी। देश में न्याय की प्रक्रिया सहज, सरल पारदर्शी एवं समानतामूलक होने के साथ आम आदमी के भरोसे वाली होनी चाहिए। इसके लिये भारत की सम्पूर्ण न्याय व्यवस्था का भारतीयकरण होना चाहिए। भारतीयकरण के लिये ईमानदारी, निष्पक्षता, पारदर्शिता, जबावदेही आवश्यक मूल्य है।

सरकार की एक संसदीय समिति ने 2023 में सिफारिश की थी कि न्यायाधीशों के लिए संपत्ति की घोषणा अनिवार्य की जाए। हालांकि कतितय कारणों से सरकार इस मामले में आगे नहीं बढ़ी। इसका एक बड़ा कारण सरकार पर यह आरोप लगना भी बना कि सरकार न्यायपालिका में अनावश्यक राजनीतिक दखल दे रही है। लेकिन न्यायपालिका की साख के लिए उसका स्वतंत्र होना और दिखना भी जरूरी है। लेकिन सम्पत्ति की घोषणा के मामले में उन्हें अतिरिक्त सुविधा देना या उनके लिये अतिरिक्त सुविधा का होना, संदेह का कारण बनता रहा है। दरअसल, वर्तमान परिपाटी के अनुसार न्यायाधीशों के लिये निजी संपत्ति का घोषणा पत्र प्रस्तुत करना एक स्वैच्छिक परंपरा है। जिसे अनिवार्य बनाने की मांग की जाती रही है। निश्चय ही न्याय व्यवस्था के संरक्षक होने के कारण इसके स्वैच्छिक रहने पर तमाम किंतु-परंतु हो सकते हैं। यूं तो न्यायपालिका के कामकाज में कई तरह की गड़बड़ियां देखने को मिलती हैं। संपत्ति की घोषणा जैसे कई स्तरों पर न्यायिक सुधार के प्रयास आगे बढ़ाने की जरूरत नये भारत, सशक्त भारत एवं आदर्श भारत के लिये जरूरी है। अब अगर सर्वोच्च अदालत के जज खुद को भी उन कसौटियों पर कसने में नहीं हिचक रहे हैं जिन्हें वे दूसरों के लिए जरूरी मानते हैं, तो निश्चित ही इस कदम से एक सकारात्मक संदेश जरूर गया है।

न्यायिक पारदर्शिता को बढ़ाने के उद्देश्य से, सुप्रीम कोर्ट के सभी 30 मौजूदा न्यायाधीशों ने अपनी संपत्ति को न्यायालय की आधिकारिक वेबसाइट पर प्रकाशित करके सार्वजनिक रूप से प्रकट करने पर सहमति व्यक्त की है। यह घटनाक्रम न्यायपालिका में पारदर्शिता की कमी को लेकर बढ़ती चिंताओं के बाद हुआ है, खासकर दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश यशवंत वर्मा से जुड़े विवाद के बाद। जिन न्यायाधीशों ने पहले ही अपनी घोषणाएं प्रस्तुत कर दी हैं, उनमें मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति भूषण रामकृष्ण गवई, न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति जेके माहेश्वरी शामिल हैं। इसे फैसले को न्याय के प्रति जनता के भरोसे को और मजबूत करने के लिहाज से सही एवं सामयिक कदम के रूप में देखा जा रहा है, जो सुखद होने के साथ-साथ श्रेयस्कर न्याय-प्रक्रिया का द्योतक है। निश्चय ही यह एक सार्थक पहल ही कही जाएगी। इस नवीनतम प्रस्ताव के साथ, सुप्रीम कोर्ट ने सामूहिक रूप से संपत्ति के खुलासे को सार्वजनिक रूप से सुलभ बनाने का निर्णय लेकर जवाबदेही के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की है। भारत के अनेक पड़ोसी देश बांग्लादेश, श्रीलंका, नेपाल आदि में न्यायाधीश अपनी संपत्तियों की घोषणा करते हैं। कई देशों में यह स्वैच्छिक है तो कुछ जगह अनिवार्य भी है। न्यायपालिका ही फरियाद का अंतिम पड़ाव कहा जाता है। ऐसे में न केवल सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश बल्कि न्यायपालिका के सभी स्तरों पर न्यायाधीश अपनी संपत्ति को सार्वजनिक करें तो इससे जनता को उनके प्रति विश्वास बढ़ेगा। अब तक का अनुभव बताता है कि उच्च न्यायालयों के स्तर पर भी जजों में संपत्ति को सार्वजनिक करने की प्रवृत्ति काफी कम है। मार्च 2025 तक, उच्च न्यायालयों के कुल 763 में से सिर्फ 49 न्यायाधीशों ने अपनी संपत्ति सार्वजनिक की है। न्यायपालिका में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए अभी इस दिशा में और प्रयासों की जरूरत है। निर्वाचित प्रतिनिधियों और नौकरशाहों को अपनी संपत्ति का सार्वजनिक खुलासा करना कानूनन अनिवार्य किया जा चुका है। ऐसे में आम जनमानस में धारणा बनी रहती है कि न्यायपालिका के बाबत भी कोई ऐसी पारदर्शी व्यवस्था होनी चाहिए। यह प्रश्न न्याय व्यवस्था की विश्वसनीयता और जबावदेही से भी जुड़ा है। यहां उल्लेख करना समीचीन होगा कि विधि एवं न्याय विभाग की संसदीय समिति ने वर्ष 2023 में न्यायाधीशों के लिये अनिवार्य रूप से संपत्ति की घोषणा की सिफारिश की थी। लेकिन इस बाबत अभी तक कोई वैधानिक नियम नहीं बनाए गए हैं। लेकिन अब स्वयं न्यायपालिका की तरफ से ऐसी व्यवस्था लागू करने का सराहनीय प्रयास होना सुखद ही कहा जायेगा।

न्यायपालिका हमेशा से समाज में पारदर्शिता, प्रामाणिकता, निष्पक्षता व शुचिता की पक्षधर रही है। जनता इस कसौटी पर अपने न्याय के देवताओं को भी खरा उतरता देखना चाहती है। निस्संदेह इस तरह के फैसले का समाज में पारदर्शी व्यवस्था लागू करने की दृष्टि से दूरगामी प्रभाव भी होगा। इस दिशा में ऐसी किसी भी पारदर्शी व्यवस्था का समाज में स्वागत ही होगा। ऐसे किसी भी कदम से उस आम आदमी के विश्वास को भी बल मिलेगा जो हर तरह के अन्याय व भ्रष्टाचार से तंग आकर उम्मीद की अंतिम किरण के रूप में न्यायालयों का रुख करता है। वह न्यायाधीशों को न्याय, सत्य व सदाचारिता के प्रतीक के रूप में देखता है। वो न्याय देने वालों को न्याय की हर कसौटी पर खरा उतरता हुआ भी देखना चाहता है। यह न्याय की शुचिता की भी अनिवार्य शर्त है। जब एक अकेले व्यक्ति का जीवन भी मूल्यों एवं जीवन-मानकों के बिना नहीं बन सकता, तब एक न्याय-व्यवस्था मूल्यों, निष्पक्ष मानकों, पारदर्शिता एवं समानता के बिना कैसे शक्तिशाली एवं विश्वसनीय बन सकती है?

प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात के बाद भी नहीं सुधरने वाले है मोहम्मद यूनुस

अशोक भाटिया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ब्रिम्सटेक बैठक के लिए बैंकॉक जाते समय बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस से मुलाकात की और एक के बाद एक चर्चा की।दोनों देशों ने कोई औपचारिक घोषणा नहीं की है, लेकिन कहने की जरूरत नहीं है कि इसने मार्ग प्रशस्त किया, कम से कम कुछ हद तक। इस बीच दोनों देशों के संबंधों में काफी कड़वाहट आ गई और इसकी वजह बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना द्वारा भारत में ली गई शरण थी। अगर वह हमारे पास आए किसी नेता के लिए शरण मांगते हैं तो हम देखेंगे कि उनके उस देश के साथ लंबे समय तक कैसे संबंध हैं।

बांग्लादेश के साथ हमारे संबंध अच्छे थे और वास्तव में बांग्लादेश भारत के कारण बना था। तो उस देश को वास्तव में आभारी होना चाहिए, लेकिन बांग्लादेश ऐसा नहीं रहा और इंदिरा गांधी को पाकिस्तान को टुकड़ों में तोड़ना पड़ा और बांग्लादेश बनाना पड़ा। लेकिन इस इतिहास को समझे बिना बांग्लादेश पाकिस्तान को अपना नुकसान ही कर रहा है और इस बात का एहसास होने के बाद ही मोदी ने यूनुस से कहा कि बांग्लादेश के अल्पसंख्यकों, यानी हिंदुओं पर अत्याचार न करें। ऐसा लगता है कि वे विश्व राजनीति के बारे में ज्यादा नहीं जानते हैं। इसलिए उन्होंने पाकिस्तान के नाम पर बांग्लादेश को मुश्किल में डालने का फैसला किया है। मोदी ने बांग्लादेश में एक लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण राजनीतिक माहौल की अपनी इच्छा व्यक्त की और यह नहीं कहा जा सकता कि यह अनुचित था। अब यूनुस को यह बात कितनी समझ में आई ये तो वे ही जानते हैं। मोदी ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के लिए भारत की चिंता व्यक्त की और दिखाया कि संदेश बांग्लादेश और दुनिया तक भी पहुंचा है।

अल्पसंख्यकों की सुरक्षा और साथ ही महत्वपूर्ण मुद्दा यह था कि गंगा के पानी पर संधि और उसका नवीनीकरण और तीस्ता जल बंटवारा समझौता दो सबसे महत्वपूर्ण मुद्दे थे। हालांकि बहुत कुछ हासिल नहीं हुआ, लेकिन यह भी कम नहीं है कि दोनों देशों ने कुछ प्रगति की। शेख हसीना के प्रत्यर्पण का मुद्दा चर्चा के लिए आया लेकिन अभी तक कोई समाधान नहीं है। बांग्लादेश का कहना है कि भारत को हसीना को अपने साथ नहीं रखना चाहिए लेकिन भारत इसे कभी स्वीकार नहीं करेगा क्योंकि हसीना देशद्रोही नहीं हैं। वह वहां की नई सरकार के लिए सिरदर्द हो सकती थीं, इसलिए देश ने उन्हें हटाने का फैसला किया और बेगम खालिदा के नेतृत्व को स्वीकार कर लिया। भारत इसे कभी स्वीकार नहीं कर पाएगा। लेकिन मोदी की यात्रा ने इस संबंध में एक आशाजनक कदम उठाया है और जब तक यूनुस उस देश के नेता के रूप में बने रहेंगे, भारत-बांग्लादेश संबंध कम से कम बदतर नहीं होंगे।

उन्हें यह भी नहीं पता कि यूनुस कब तक मुख्य सलाहकार के रूप में रहेंगे। इसलिए यह अच्छा है कि भारत ने कोई आतंकवादी निर्णय नहीं लिया। यह मोदी की कूटनीति की जीत थी। यह किसी समाज से कम नहीं है जो मोदी की यात्रा के माध्यम से अप्रत्यक्ष रूप से बांग्लादेश को दिया गया है कि वह हर दिन भारत के खिलाफ निराधार आरोप लगाना बंद करे। तथ्य यह है कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार वहां कानून और व्यवस्था को नियंत्रित करने में विफल रही है। बांग्लादेश का घटनाक्रम निश्चित रूप से भारत के लिए चिंताजनक है और मोदी की यात्रा से कुछ हद तक आशावादी माहौल बना है। पहली बार मोदी और यूनुस ने एक के बाद एक बातचीत की, लेकिन मोदी ने यूनुस को आश्वस्त किया कि दोनों देशों के बीच संबंध तब तक नहीं सुधरेंगे जब तक कि अल्पसंख्यक हिंदू उस देश में सुरक्षित नहीं होंगे। यात्रा के बाद भारत का बयान अतिरंजित था और इसलिए गलत था। यह सही था कि भारत को ज्यादा सफलता नहीं मिली, लेकिन यह सही होता।

गौरतलब है की अब तक की घटनाओं से अब यह स्पष्ट हो गया है कि बांग्लादेश में विद्रोह से बनी अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस पूरी तरह से पाकिस्तान और चीन की गोद में हैं। यूनुस ने यह भी कहा था कि भारत केपूर्वोत्तर राज्य पूरी तरह से भूआबद्ध हैं और बांग्लादेश इस क्षेत्र में समुद्र का संरक्षण करने वाला एकमात्र देश है। निश्चित रूप से इसके पीछे चीन का सिर है। 'चिकन नेक' पर चीन का यह नया कदम है, जिसमें पाकिस्तानी सेना के साथ-साथ आईएसआई भी शामिल है।

चीन की चाल को समझने के लिए समझना होगा कि 'चिकन नेक' क्या है। आप देख सकते हैं कि मोहम्मद यूनुस ने जो कहा वह कितना भयानक हो सकता है। भारत के नक्शे को देखिए। अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, सिक्किम और त्रिपुरा के आठ राज्यों को पश्चिम बंगाल से जोड़ने वाला गलियारा मुर्गे की गर्दन जैसा दिखता है। यह लगभग 60 किलोमीटर लंबा और चौड़ा है। कुछ स्थानों पर यह केवल 22 किलोमीटर है। चीन अरुणाचल प्रदेश पर दावा करता है और राज्य के गांवों के नाम बदलने के कारोबार में है. चीन कुछ भी करके पूर्वोत्तर राज्यों को भारत से अलग करने की कोशिश कर रहा है। सिलीगुड़ी कॉरिडोर के नाम से मशहूर 'चिकन नेक' का यह हिस्सा चीन के लिए भारत की कमजोरी है। एक तरफ भूटान और नेपाल है, और दूसरी तरफ बांग्लादेश है। 2017 में, चीन ने भूटान में घुसने और उसी बेल्ट के पास डोकलाम में एक सड़क बनाने की कोशिश की। भारतीय सेना ने बहादुरी दिखाते हुए प्रयास का विरोध किया। विवाद लंबे समय तक चला और अंततः चीनी सैनिकों को पीछे हटना पड़ा। अगर चीन ने सड़क का निर्माण किया होता, तो युद्ध की स्थिति में भारत कमजोर हो जाता। यह बेल्ट उत्तर-पूर्वी सीमा पर भारत की सेना की मुख्य ताकत है। उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। चीन और पाकिस्तान इस ताकत को तोड़ना चाहते हैं। उन्हें मोहम्मद यूनुस के रूप में एक सहयोगी मिल गया है। वह सत्ता में बने रहने के लिए भारत के दोनों दुश्मनों का मुकाबला कराकर अपने देश को बेचने को तैयार नजर आ रहा है।

बांग्लादेश में तख्तापलट के बाद, यूनुस ने चीन के साथ संबंधों में तेजी से सुधार किया। पाकिस्तान भी इस त्रिकोण में शामिल है। इस साजिश के हिस्से के रूप में, यूनुस चीन गए और यह कहकर खुद को समुद्र का रक्षक घोषित कर दिया कि भारत के उत्तर-पूर्वी राज्य लैंडलॉक हैं। उनका मतलब था कि चीन अपने देश में अपना आधार स्थापित कर सकता है। व्यापार और व्यवसाय केवल साजिश को छिपाने के लिए किया गया था। भारत ने बांग्लादेश को तीन तरफ से घेर लिया। बांग्लादेश को लगता है कि वह भी तीन तरफ से भारत से घिरा हुआ है। उसका मानना है कि अगर चीन उसके साथ आता है तो उसकी ताकत बढ़ेगी। यूनुस ने चीन को बांग्लादेश में हवाई अड्डा बनाने के लिए भी आमंत्रित किया है। चीन ने बांग्लादेश के लालमोहनहाट जिले में एक हवाई अड्डा बनाने का वादा किया है और एक पाकिस्तानी कंपनी बेस स्थापित करेगी। यही तय किया गया है। इसका मतलब है कि बांग्लादेश के हर कोने में पाकिस्तानी जासूसों को तैनात किया जाएगा। यह पहले ही तय हो चुका है कि पाकिस्तानी सेना बांग्लादेश सेना को प्रशिक्षित करेगी। बांग्लादेश को चीन और उसकी कंपनियों से निवेश, ऋण और अनुदान में लगभग 2.1 बिलियन डॉलर प्रदान करने का वादा भी मिला है। तीस्ता नदी व्यापक प्रबंधन और बहाली परियोजना भी चीनी कंपनियों के हाथों में जाएगी। चीन को बांग्लादेश को नियंत्रित करने में कोई समस्या नहीं होगी।

सोचिए अगर चीन बांग्लादेश में एयरबेस बना ले तो भारत के लिए हालात कितने खतरनाक हो सकते हैं, वो बांग्लादेश के समंदर तक पहुंचने में कामयाब हो गया है, उस देश में अलग-अलग रूपों में चीनी सैनिक तैनात हैं और पाकिस्तानी सेना और आईएसआई अपना खेल खेलने लगते हैं। चीन ने पूर्वोत्तर में बहुत आतंकवाद फैलाया है। मणिपुर में हुई हिंसा में मिले हथियार बहुत चीनी हैं। चीन करता है।बेशक, भारत के सामने कई चुनौतियां हैं, लेकिन भारत का नेतृत्व अब ऐसे हाथों में है जो चुनौतियों से निपटना जानता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नजर थाईलैंड में मो. यूनुस पर पड़ी। हमारे पास नरेंद्र मोदी, अमित शाह और अजीत डोभाल की तिकड़ी है। वे जानते हैं कि किसी भी सांप को कैसे जहर दिया जाता है। एस. जयशंकर कूटनीति के चाणक्य हैं और भारत के बहादुर सैनिक दुश्मन को धूल चटाने में माहिर हैं।

क्या अबकी बंगाल बोलेगा 'जय श्रीराम' या फिर 'खेला होबे'

-अजय कुमार

बंगाल की राजनीति एक बार फिर उबाल पर है और इस बार इसकी जड़ में है भगवान राम का नाम, जिसकी आस्था को भारतीय जनता पार्टी ने अपनी सबसे बड़ी चुनावी रणनीति के रूप में चुन लिया है। 2026 के विधानसभा चुनाव जैसे-जैसे करीब आ रहे हैं, वैसे-वैसे बीजेपी और तृणमूल कांग्रेस के बीच सियासी तनाव गहराता जा रहा है। पश्चिम बंगाल में रामनवमी का पर्व अब केवल धार्मिक आयोजन नहीं रह गया, बल्कि यह राज्य की राजनीति की दिशा और दशा तय करने वाला एक अहम मौका बन गया है। रामनवमी के दिन जिस तरह बीजेपी और उससे जुड़े संगठनों ने राज्य भर में तकरीबन 2000 शोभा यात्राएं निकालीं, उसने यह साफ कर दिया कि पार्टी 2026 के चुनाव में किस एजेंडे के साथ मैदान में उतरेगी। इन यात्राओं में हजारों की संख्या में लोगों ने भाग लिया, हाथों में भगवा झंडे, तलवारें, जय श्रीराम के नारे और भगवा वस्त्रों में लिपटे कार्यकताओं की भीड़ ने यह संदेश दे दिया कि यह आस्था की नहीं, सियासत की भी यात्रा है।

बीजेपी नेता अग्निमित्रा पॉल और शुभेंदु अधिकारी जैसे वरिष्ठ नेता इन आयोजनों का चेहरा बने, जिन्होंने मंच से सीधे-सीधे ममता बनर्जी पर निशाना साधा। अग्निमित्रा पॉल ने यहां तक कहा कि राम शोभा यात्रा के लिए किसी अनुमति की आवश्यकता नहीं है, केवल पुलिस को सूचित करना होता है। वहीं शुभेंदु अधिकारी ने नंदीग्राम में राम मंदिर की आधारशिला रखकर ममता बनर्जी को सीधे उनके गढ़ में चुनौती दी। नंदीग्राम वही इलाका है जहां 2007 में भूमि अधिग्रहण के खिलाफ हुए आंदोलन ने ममता को सत्ता की ओर पहला बड़ा मौका दिया था और अब वही स्थान बीजेपी की रणनीति का आधार बन गया है।

बीजेपी इस बार किसी भ्रम में नहीं है। पार्टी को पता है कि पश्चिम बंगाल में उसने पिछले विधानसभा चुनाव में 77 सीटें जीतकर अपनी सबसे बड़ी सफलता दर्ज की थी और अब वह उस आधार को और मजबूत करना चाहती है। 2016 के चुनाव में जहां बीजेपी को केवल 10.2% वोट मिले थे, वहीं 2021 में यह आंकड़ा बढ़कर 38.1% तक पहुंच गया था। यह उछाल केवल आंकड़ों का खेल नहीं, बल्कि एक बदलते सामाजिक और सांस्कृतिक विमर्श का संकेत है, जिसे बीजेपी और आरएसएस बखूबी भुनाना चाह रहे हैं। इसीलिए अब पार्टी ने हिंदुत्व को चुनावी हथियार के रूप में और भी धारदार बना दिया है।

रामनवमी की इन शोभा यात्राओं के पीछे केवल धार्मिक उत्साह नहीं था। यह सांस्कृतिक दावे और राजनीतिक पकड़ मजबूत करने की एक योजनाबद्ध कोशिश थी। बंगाल के विभिन्न जिलों में जो यात्राएं निकाली गईं, उसमें भगवा रंग की स्पष्टता, जय श्रीराम के नारों की गूंज और हिंदू धर्म के प्रतीकों की भरमार ने यह स्पष्ट कर दिया कि बीजेपी अब बंगाल को भी उसी तरह हिंदुत्व की प्रयोगशाला बनाना चाहती है, जैसा वह उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और गुजरात में कर चुकी है। पार्टी यह साबित करने की कोशिश कर रही है कि बंगाल की धरती भी राम की है, यहां भी उनके भक्तों की संख्या कम नहीं है और वे अब राजनीतिक बदलाव की तैयारी में हैं।

बीजेपी की इस रणनीति के जवाब में ममता बनर्जी ने भी चुप्पी साधे रखने का रास्ता नहीं चुना। मुख्यमंत्री ने साफ कहा कि बंगाल की संस्कृति को बाहरी तत्वों से खतरा है। उन्होंने दोहराया कि बंगाल, गुजरात या यूपी नहीं है। यहां की संस्कृति, भाषा, खानपान और जीवनशैली अलग है और उसे किसी बाहर से आई विचारधारा से बदलने की कोशिश बर्दाश्त नहीं की जाएगी। ममता बनर्जी ने 2021 के चुनाव में भी इसी बाहरी बनाम बंगाली नैरेटिव के सहारे बीजेपी को घेरने में कामयाबी पाई थी और अब वह उसी पथ को फिर से अपनाने जा रही हैं। बंगाली अस्मिता की बात कर ममता फिर से राज्य की जनता को यह संदेश देना चाहती हैं कि बीजेपी की हिंदुत्ववादी राजनीति इस राज्य की मिट्टी से मेल नहीं खाती।

तृणमूल कांग्रेस इस बार न सिर्फ अस्मिता की बात करेगी बल्कि ममता की प्रशासनिक ताकत को भी सामने रखेगी। रामनवमी के दौरान किसी भी बड़े हिंसक घटना का न होना, पुलिस की मौजूदगी और शांति बनाए रखना, यह सब ममता सरकार की ओर से एक संदेश है कि वह हर हाल में कानून व्यवस्था बनाए रख सकती हैं। कोलकाता पुलिस कमिश्नर ने खुद कहा कि पिछले दो महीने से शोभा यात्राओं को लेकर पुलिस बल की तैयारी की जा रही थी और इसी वजह से किसी तरह की बड़ी अप्रिय घटना नहीं हुई। ममता इसे अपनी सफलता के रूप में प्रचारित करेंगी और इसे बीजेपी की अराजकता के खिलाफ एक मजबूत प्रशासनिक प्रतिवाद के रूप में दिखाएंगी।

बीजेपी की रणनीति के तहत अब बंगाल के उन स्थानों को भी धार्मिक नक्शे में प्रमुखता से रखा जा रहा है, जिनका रामायण काल से कोई न कोई संबंध माना जाता है। बर्दवान का सुश्रवणगढ़, बांकुड़ा का गंधेश्वरी मंदिर और बीरभूम का गिरिधारीपुर जैसे स्थानों को राम या हनुमान से जोड़ते हुए एक नया धार्मिक विमर्श रचा जा रहा है। यह कोशिश बंगाल की मिट्टी को राममय करने की है, जिससे जनता को यह विश्वास दिलाया जा सके कि राज्य की सांस्कृतिक पहचान और भगवान राम में कोई विरोध नहीं है। बीजेपी के लिए यह सांस्कृतिक पुनःस्थापना का अवसर है और वह इसमें कोई चूक नहीं करना चाहती।

लेकिन यह लड़ाई केवल धार्मिक प्रतीकों तक सीमित नहीं रहेगी। टीएमसी के रणनीतिकार जानते हैं कि बीजेपी की लोकप्रियता को केवल अस्मिता की राजनीति से रोका नहीं जा सकता, इसके लिए जमीनी मुद्दों पर भी काम करना होगा। इसलिए ममता बनर्जी का जोर विकास, रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे विषयों पर भी रहेगा। महिला मतदाताओं के बीच उनकी पकड़ पहले से ही मजबूत है और वह इसे और भी मजबूत करने की कोशिश कर रही हैं। साथ ही ममता यह भी चाहेंगी कि मुसलमान और अन्य अल्पसंख्यक समुदाय उनके साथ एकजुट रहें, जैसा उन्होंने 2021 में किया था।

भारतीय जनता पार्टी मुखर होकर हिन्दुत्व की राजनीति कर रही है। उसके सामने यह मजबूरी नहीं है कि हिन्दू वोटरों को खुश करने के चक्कर में उनके हाथों से मुस्लिम वोटर निकल सकते हैं। क्योंकि बीजेपी को मुस्लिमों का साथ कभी मिलता ही नहीं है। वहीं ममता बनर्जी एक तरफ मुस्लिम वोटों को कांग्रेस या वामपंथी दलों पाले में जाने से बचाने में लगी हैं। वहीं हिन्दुओं को भी नाराज नहीं करना चाहती हैं। यही दुविधा ममता बनर्जी पर भारी पड़ रही है। राहुल गांधी आजकल पश्चिम बंगाल पर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं। उनका ज्यादा फोकस मुस्लिम वोटरों पर है, इसको लेकर भी ममता बेचैन हैं। कांग्रेस यदि बंगाल में ठीकठाक लड़ती है तो इससे ममता बनर्जी की पार्टी को नुकसान उठाना पड़ सकता है?वहीं बीजेपी मुस्लिम वोटों के बंटने पर फायदे में रहेगी बीजेपी का सियासी हमला हालांकि तीव्र है, लेकिन ममता की सरकार भी जवाब देने में उतनी ही तेज नजर आ रही है। राज्य में प्रशासनिक मजबूती, सांस्कृतिक गर्व और विकास के मिश्रण से वह यह संदेश देना चाहती हैं कि बंगाल की राजनीति का चेहरा बीजेपी नहीं, बल्कि तृणमूल ही है। वहीं दूसरी ओर बीजेपी हर धार्मिक पर्व, हर सांस्कृतिक अवसर को एक चुनावी मंच की तरह इस्तेमाल कर रही है। रामनवमी इसके लिए पहला पड़ाव था, आने वाले महीनों में दुर्गा पूजा, दीवाली, और अन्य त्योहारों को भी राजनीतिक रंग दिए जाने की पूरी संभावना है।

2026 का चुनाव अब केवल एक राजनीतिक मुकाबला नहीं रह गया, यह विचारधाराओं की जंग बन चुका है। एक ओर है राम के नाम पर ध्रुवीकरण की कोशिश, दूसरी ओर है बंगाली अस्मिता की रक्षा की हुंकार। यह संघर्ष अब चुनावी मैदान तक सिमटा नहीं रहेगा, बल्कि हर गली, हर चौक, हर मंदिर, हर कॉलेज और हर पंचायत में महसूस किया जाएगा। जनता को अब तय करना है कि वे किस रास्ते पर जाना चाहते हैं राम के नाम पर भगवा राजनीति या ममता की नीली-हरी अस्मिता। यह फैसला केवल बंगाल की दिशा नहीं तय करेगा, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति को भी गहरे स्तर पर प्रभावित करेगा।

राजनीति के इस रामायण में हर दल अपने-अपने पात्रों को सजाने में जुटा है, लेकिन अंत में जनता ही है जो राम की भूमिका निभाएगी और सत्ता की संजीवनी किसे देनी है, यह फैसला करेगी। इतिहास गवाह है कि बंगाल कभी किसी के लिए आसान नहीं रहा और इस बार की जंग तो और भी पेचीदा और दिलचस्प होने जा रही है। जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आएगा, यह संघर्ष और भी उग्र होगा और शायद इस बार राजनीति का असली चेहरा बंगाल से ही सामने आएगा।

जंगलों पर छाया इंसानों का आतंकः एक अनदेखा संकट

-प्रियंका सौरभ

हाल ही में एक अखबार की प्रमुख हेडलाइन पढ़ी—₹शहर में बंदरों और कुत्तों का आतंक₹। यह वाक्य महज एक खबर नहीं, बल्कि हमारे सोचने के तरीके का प्रतिबिंब था। हमने जानवरों के शहर में आने को ₹आतंक₹ करार दिया, लेकिन कभी यह सवाल नहीं पूछा कि वो शहर में आए ही क्यों? जब कोई बंदर किसी कॉलोनी की छत पर उछलता है, या कोई कुत्ता कूड़े के ढेर में भोजन तलाशता है, तो वह कोई स्वाभाविक प्रक्रिया नहीं होती। यह उस संकट का संकेत होता है जिसे हम—मनुष्य—ने स्वयं गढ़ा है। जंगल, जो कभी इन जीवों का घर थे, अब रियल एस्टेट की परियोजनाओं, खनन कार्यों, सड़कों और डैमों की बलि चढ़ चुके हैं। आज अगर कोई सच में आतंक फैला रहा है, तो वह है इंसानी लालच और विकास का अंधा मॉडल।

प्राकृतिक आवासों पर हमला

भारत दुनिया के उन चुनिंदा देशों में है जहाँ जैव विविधता की अद्भुत संपदा है। लेकिन यही भारत आज अपने ही जंगलों को खा रहा है। 2021 की Forest Survey of India रिपोर्ट बताती है कि भारत ने पिछले चार वर्षों में 1,100 वर्ग किलोमीटर से अधिक वनक्षेत्र खो दिया है। हरियाणा, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा जैसे राज्यों में यह गिरावट विशेष रूप से चिंताजनक रही है। वन कटान केवल पेड़ों का नुकसान नहीं है। यह पूरी एक पारिस्थितिकी व्यवस्था का ध्वंस है। जब हम पेड़ काटते हैं, हम न सिर्फ ऑक्सीजन के स्रोत मिटाते हैं, बल्कि हजारों पशु-पक्षियों के घर उजाड़ देते हैं। यही कारण है कि आज हमें गाँवों और शहरों के आसपास बाघ, हाथी, भालू और यहाँ तक कि तेंदुए भी दिखने लगे हैं।

शहरों में जानवरों की बढ़ती उपस्थितिः एक चेतावनी

बंदरों का शहरों में आना आज एक आम दृश्य बन गया है। दिल्ली, वाराणसी, जयपुर, और देहरादून जैसे शहरों में बंदरों की आबादी तेजी से बढ़ी है। कारण स्पष्ट हैं—कम होती हरियाली, अधिक होता कूड़ा, और बिगड़ता पारिस्थितिक संतुलन। इसी तरह, आवारा कुत्तों की संख्या भी शहरों में नियंत्रण से बाहर हो चुकी है। World Health Organization के अनुसार भारत में लगभग 3.5 करोड़ आवारा कुत्ते हैं, और हर साल हजारों लोग कुत्तों के काटने के शिकार होते हैं। मगर यह समस्या केवल स्वास्थ्य या सुरक्षा की नहीं है; यह समस्या हमारे कुप्रबंधन और लापरवाह विकास की है। हमने कूड़ा फेंकने के तरीकों को सुधारा नहीं, सार्वजनिक पशु-नियंत्रण कार्यक्रमों को प्राथमिकता नहीं दी, और अब जब जानवर हमारी बस्तियों में दिखते हैं, तो उन्हें ₹संकट₹ कह कर खुद को निर्दोष साबित करने की कोशिश करते हैं।

मीडिया की भूमिका और भाषा का प्रभाव

जब कोई अखबार लिखता है कि ₹बंदरों का आतंक, तो वह केवल सूचना नहीं दे रहा होता, बल्कि एक धारणा गढ़ रहा होता है। यह धारणा कि जानवर आक्रमणकारी हैं, और हम पीड़ित। मीडिया की यही भाषा यह छिपा लेती है कि असल में हम ही उनके घरों में घुसे थे, उनकी जमीन छीनी, और अब जब वो अपनी जगह पाने की कोशिश करते हैं, तो उन्हें दोषी ठहराते हैं। यह भाषा केवल संवेदनहीन नहीं, बल्कि खतरनाक भी है, क्योंकि इससे संरक्षण के प्रति समाज की समझ और सहानुभूति दोनों कमजोर पड़ती हैं।

वन्यजीव संघर्षः क्यों बढ़ रहा है?

एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में हर साल औसतन 100 से अधिक लोग हाथियों के हमलों में मारे जाते हैं, और दर्जनों बाघ-मानव संघर्ष की घटनाएँ सामने आती हैं। मगर इन घटनाओं के पीछे की सच्चाई यह है कि वन्यजीवों का घर सिकुड़ता जा रहा है। जंगलों में भोजन और पानी की कमी उन्हें मानव बस्तियों की ओर खींचती है। कभी-कभी वे रास्ता भटक जाते हैं, तो कभी उन्हें मजबूरी में खेतों और घरों में घुसना पड़ता है। यह संघर्ष उनके लिए भी घातक है—हर साल सैकड़ों जानवर इंसानी जवाबी हिंसा में मारे जाते हैं।

क्या हो सकता है समाधान?

भारत में Wildlife Protection Act 1972 और Forest Conservation Act 1980 जैसे सशक्त कानून हैं, लेकिन उनके लागू करने में अनेक समस्याएँ हैं। वन विभाग अक्सर संसाधनों और जनबल की कमी से जूझता है। इसके अलावा, जब विकास परियोजनाओं और वन्यजीव संरक्षण में टकराव होता है, तो अक्सर विकास को तरजीह दी जाती है, भले ही उसके दीर्घकालिक परिणाम विनाशकारी हों। इस संकट से उबरने के लिए केवल नीतियाँ नहीं, बल्कि सोच का परिवर्तन जरूरी है। कुछ संभावित उपाय इस प्रकार हैंः शहरी नियोजन में हरित क्षेत्र सुनिश्चित किया जाए – पार्क, बाग-बगिचे, और वृक्षारोपण को केवल सजावटी पहलू नहीं, बल्कि पारिस्थितिकी के हिस्से के रूप में देखा जाए। वन्यजीव गलियारे (wildlife corridors) विकसित किए जाएँ – जिससे जानवरों को सुरक्षित आवागमन का रास्ता मिले। कचरा प्रबंधन को प्राथमिकता दी जाए – ताकि जानवर शहरी कूड़े पर निर्भर न हों। मीडिया और शिक्षा में संवेदनशीलता लाई जाए – जानवरों को 'आतंकवादी' बताने के बजाय उनके संघर्ष को समझने और सहानुभूति की भाषा अपनाई जाए। स्थानीय समुदायों को शामिल किया जाए – उन्हें संरक्षण के साझेदार बनाना होगा, विरोधी नहीं।

अंतिम बातः इंसान अकेला नहीं है इस धरती पर

हमें यह स्वीकार करना होगा कि यह धरती केवल हमारी नहीं है। जंगलों, नदियों, पहाड़ों, और समंदरों के साथ-साथ हर जीव-जंतु का इस पर उतना ही अधिकार है जितना हमारा। जब हम शहरों का विस्तार करते हैं, जब हम मॉल और एक्सप्रेसवे बनाते हैं, तब हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि किसी न किसी की जमीन छीनी जा रही है—कभी किसी हिरन की, कभी किसी हाथी की। हम अगर प्रकृति से लड़ते रहेंगे, तो अंततः हार हमारी ही होगी—क्योंकि प्रकृति को हराया नहीं जा सकता, बस अस्थायी रूप से दबाया जा सकता है। ₹बंदरों का आतंक₹ एक समाचार की हेडलाइन हो सकती है, लेकिन असल हेडलाइन यह होनी चाहिए थी—₹जंगलों पर इंसानों का आतंक₹। इस सच्चाई को स्वीकार करना कठिन है, लेकिन जरूरी है। अगर हम वास्तव में एक संतुलित, सुरक्षित और संवेदनशील समाज की ओर बढ़ना चाहते हैं, तो हमें प्रकृति से नहीं, अपने अहंकार से संघर्ष करना होगा।

श्री आनंद बाबा आश्रम में राम नवमी के अवसर पर हवन और भंडारा कार्यक्रम संपन्न

मुंबई(उत्तरशक्ति)। लक्ष्मी नारायण मंदिर मार्ग, साकीनाका स्थित आनंद बाबा आश्रम में चैत्र नवरात्रि उत्सव के अवसर पर होम हवन और महाभंडारा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर रामनवमी महोत्सव के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में सभी श्रद्धालुओं ने बड़ी श्रद्धा के साथ गुरु की समाधि की पूजा-अर्चना की। इस बीच श्री रामनवमी होम हवन एवं आरती कार्यक्रम कमला पंडित के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इसमें महिला शक्ति को बड़ा स्थान दिया गया। इस अवसर पर आनंद बाबा आश्रम के ट्रस्टी उमाकांत मिश्र, जयप्रकाश व्यास, गिरेंद्र सिंह, संजय गिरि, अजीत मिश्र, नीटू मिश्र, अतुल मिश्र, प्रणय साने सहित कई सदस्य व श्रद्धालु उपस्थित थे. इस अवसर पर सैकड़ों लोगों ने महाप्रसाद का लाभ उठाया। सद्गुरु आनंद बाबा द्वारा शुरू किए गए विभिन्न धार्मिक उत्सव आश्रम सेवकों के माध्यम से निरंतर मनाए जा रहे हैं। ट्रस्ट वर्ष भर विभिन्न त्यौहार मनाता है।

भाजपा स्थापना दिवस पर कार्यकर्ता बैठक में शामिल हुई स्नेहा दुबे पंडित

वसई रोड (उत्तरशक्ति)। वसई रोड पश्चिम मे सांगवी हॉल मे भाजपा कार्यकर्ता बैठक एवं 1.5 करोड़ सदस्य पंजीकरण का लक्ष्य पूर्णतः प्राप्त अन्वये भाजपा स्थापना दिवस के अवसर पर (ऑनलाइन) बैठक संपन्न हुआ। जिसमे मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भाजपा कार्यकर्ताओं से बातचीत कर के उन्हें बधाई दी। क्योंकि राज्य में सदस्यों की संख्या रिकॉर्ड 1.5 करोड़ तक पहुंच गई है। इससे पार्टी के भविष्य को नई ऊर्जा मिली है। इस ऑनलाईन बैठक में प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले, प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण के साथ ही पूरे महाराष्ट्र से सांसद, विधायक, सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ता विभिन्न स्थानों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए। इस अवसर पर वसई मे सांगवी हॉल मे वसई विधायक स्नेहा दुबे के साथ मे वरिष्ठ भाजपा नेता शेखर धुरी, वसई रोड मंडल अध्यक्ष महेश सरवणकर, भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश सचिव श्रीमती अपर्णा पाटिल, भाजपा महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष कंचन झा, साधना धुरी, श्रीमती शीला अय्यर, अर्जुन इंगोले, जीतू वेंगुलेकर, मारकंडे पांडे, मनोज गुप्ता सहित विधान सभा के सभी कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

ग्राम पंचायत कार्यालय का उद्घाटन

वसईरोड (उत्तरशक्ति)। आज टॉकरे ग्राम पंचायत कार्यालय वसई तालुका के नए भवन का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद राज्य स्तरीय जनजाति क्षेत्र विकास समीक्षा समिति के अध्यक्ष (मंत्री स्तर) विवेक भाऊ पंडित और वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित द्वारा किया गया। इस मौके पर उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी, ग्राम पं. ज़िला पी. पालघर चन्द्रशेखर जगताप, समूह विकास अधिकारी पं. एस.वसई प्रदीप डोलारे, उप अभियंता निर्माण विभाग वसई हनुमंत कांबले, शाखा अभियंता निर्माण विभाग गजानन भुजाडे, ग्राम सेवक श्रीमती स्नेहल वडे, टोकरे ग्राम पंचायत के सरपंच रामचन्द्र राघो रोज, उपसरपंच मान. विलास मोरघे, पोमान ग्राम पंचायत सरपंच आत्माराम ठाकरे, एकनाथ कलिंगडा , नितिन पाटिल, श्रीमती भारती भदाणे, जोन प्रमुख शसुभाष अल्वे एवं ग्राम पंचायत के कर्मचारी, अधिकारीगण एवं समस्त टोकरे ग्रामवासी, कार्यकर्ता एवं पदाधिकारीगण बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

ई-मेडिक्स स्मार्ट फार्मेसी की नई शाखा का भव्य शुभारंभ गोढ़ना रोड, आरा में

मुंबई/आरा। हेल्थकेयर सेक्टर में तेजी से उभर रही ब्रांड ई-मेडिक्स स्मार्ट फार्मेसी ने आज गोढ़ना रोड, आरा में अपनी नई शाखा का भव्य शुभारंभ किया। इस स्टोर के फ्रेंचाइजी मालिक श्री रवि कुमार एवं श्री सुधीर कुमार हैं, जिन्होंने आधुनिक और भरोसेमंद स्वास्थ्य सेवाओं को अपने क्षेत्र तक पहुंचाने के उद्देश्य से इस फार्मेसी की शुरूआत की है।

इस शुभ अवसर पर नगर निगम की माननीय महापौर श्रीमती इंदु देवी ने मुख्य अतिथि के रूप में उद्घाटन किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि, स्वास्थ्य सेवा आज के समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। ई-मेडिक्स जैसी पहलें हमारे शहर को एक नई दिशा दे रही हैं। मुझे यह देखकर प्रसन्नता हो रही है कि अब आरा जैसे शहर में भी आधुनिक और स्मार्ट फार्मेसी की सुविधा उपलब्ध हो चुकी है। मैं ई-मेडिक्स टीम और फ्रेंचाइजी मालिकों को इस नए कदम के लिए हार्दिक शुभकामनाएं देती हूं।

रामनवमी पर पालघर में श्री राम भक्तों की उमड़ी भीड़

- जय श्रीराम के उदघोष के साथ निकली विहिप बजरंग दल की भव्य शोभायात्रा
- शोभा यात्रा में श्री कृष्ण जन्मभूमि और काशी विश्वनाथ का लोगों ने किए दर्शन

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। विहिप-बजरंग दल ने रामनवमी के अवसर पर मनमोहक झांकियों के साथ विशाल शोभा यात्रा का आयोजन किया। इस दौरान पालघर शहर भगवा रंग के झंडों और बैनर से पट गया। शोभा यात्रा में भगवान श्रीराम और श्री हनुमान, सुदर्शन चक्र और छत्रपति शिवाजी महाराज की विशाल मूर्ति लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रही थी। विहिप-बजरंग दल की अगुवाई में धूमधाम से शोभा यात्रा निकाली गई। रथ पर श्रीराम जानकी और भगवान शिव,श्री हनुमान के स्वरूप में बच्चे विराजमान थे। हजारों की संख्या में भक्त माथे पर केसरिया गमछा बांधे, हाथों में भगवा ध्वज लिए जय श्रीराम के नारा लगाते हुए चल रहे थे।शोभा यात्रा में श्री कृष्ण जन्मभूमि और काशी विश्वनाथ के लोगों ने दर्शन किए।शोभायात्रा के दौरान मानो पूरा शहर भगवा मय हो गया था। बाजे-गाजे और जय श्रीराम के जयकारे के साथ निकली श्री राम भक्तों की भव्य शोभा यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाये भी मौजूद रही। जगह -जगह पर लोगों ने शोभा यात्रा पर पुष्पवर्षा की। शिवसेना के जिला प्रमुख कुंदन संखे, वसंत चौहान, विहिप के पालघर प्रखंड के अध्यक्ष श्रीपाद पाटील,बजरंग दल के बोईसर प्रखंड संयोजक रॉबिन सिंह, काचू शेट्टी,संध्या दुबे,प्रभात ठाकुर,वंदना सिंह, जीतू राजपुरोहित,उमा सिंह, तुलसी छीपा,कृपाली संखे,विजय शेट्टी,राजा शाहा, संजय तिवारी,कमल दुबे, लीना राजपुरोहित एकता जानी,राधा नायडू,उत्तम घरत,धर्मेंद्र भट, अलका राजपूत,समीर पाटिल प्रशांत पाटिल, शशिकांत किनी,अभय दारूवाले, राजेश दुबे कृष्ण पटेल, आर्यन सिंह, सत्यम दुबे,परम हंस गिरि महाराज आचार्य मुकेश पंडित, आचार्य अभिषेक,विकास साहनी,मिथिलेश झा,रवि सिंह,गौतम गायकवाड़, रोहित शुक्ला, राजा मिश्रा, पप्पू वाजपई,मोहित शुक्ला,विभा मिश्रा, सौहार्द मिश्रा, मिथुन चौधरी,करनी सेना के भवानी सिंह,

पंकज सिंह, भगवान कारु, नरेश जैन, केतन जैन,धर्मेश शाहा, देवीलाल, श्रवण राजपुरोहित, महेश नंदा, भाविन हरिया,जुगल पसाट, पंकज,राकेश दीक्षित, शैलू तिवारी, संतोष दीक्षित, मंगेश अवस्थी, बॉबी शुक्ला, राजू शुक्ला,लिंकन शुक्ला, संजय शुक्ला,रोहित गावित,कल्पक पाटिल, प्रदीप यादव, भारती कामड़ी, सवी मल्लाह, नंदू मल्लाह, रानी गुप्ता, उर्मिला अनामिका झा, राखी मिश्रा, गीता संखे, मोना मिश्रा,रोहिणी अंबूरे,अनीता किनी,भाविन कंसारा, मंजू तिवारी, रूबी शुक्ला, काजल झरना दुबे, प्रीति दुबे,बरखा अवस्थी,रेखा सिंह,नीतू सिंह, मंजू सिंह,संध्या शुक्ल,संजय तिवारी, भरत पवार सहित हजारों लोग मौजूद रहे। बजरंग दल गौ रक्षा कोंकण प्रांत प्रमुख चंदन सिंह ने बताया कि रामभक्तों का जगह-जगह हुआ स्वागत राम जी की निकली सवारी, राम जी की लीला है न्यारी-न्यारीह्व व अन्य भजनों के साथ भक्तों की श्री राम नवमी पर निकाली गई भव्य शोभायात्रा का जगह-जगह फूलों की वर्षा के साथ स्वागत किया गया। शोभायात्रा में सुंदर झांकियां लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र रही। शोभायात्रा का रूप भव्य और विशाल था। लोगों ने राम भक्तों पर पुष्पों की खूब वर्षा की। विहिप के धमार्चार्य विभाग प्रमुख मुकेश दुबे ने कहा कि वीर सावरकर चौक (वलन नाका) से निकली शोभा यात्रा का अंबा देवी मंदिर पर समापन हुआ।मयार्दा पुरुषोत्तम श्री राम हमारे कण-कण में बसे हैं। रामनवमी पर निकलने वाली विहिप -बजरंग दल की शोभा यात्रा में देवी-देवताओं की झांकियों को देखने के लिए लोग दूर- दूर से उमड़े। दुबे ने कहा कि रामराज्य का सपना साकार हो रहा है।

राम नवमी उत्सव कार्यक्रम आयोजित

मुंबई (उत्तरशक्ति)। श्री साईं कुटीर सेवा धाम द्वारा अयोजित श्री राम नवमी उत्सव कार्यक्रम का आयोजक स्व.अशोक शर्मा के परिवार और कुर्बान चाल के साई सेवादार द्वारा पालखी मिरवनुक, आरती, महाप्रसाद और भंडारा किया गया। स्व.अशोक शर्मा की धर्म पत्नी सुनीता अशोक शर्मा, श्रद्धा गोरगे समाजसेविका व शिवसेना(एकनाथ शिंदे) सरकार समर्थक, सोनम शर्मा, उत्तरशक्ति हिंदी दैनिक समाचार के संवाददाता सुखबिंदर सिंह, भाजपा उत्तर मध्य जिल्हा मुंबई उपाध्यक्ष, कुणाल सरमळकर विभाग प्रमुख,भक्ती ताई भोसले विधानसभा प्रमुख सहित अन्य लोग मौजुद रहे। आए हुए सभी मेहमानो ने ओम साईं राम जी के दर्शन और महाप्रसाद का भी लाभ हुआ।

वसई मे सफल भविष्य की कुंजीः कैरियर मार्गदर्शन शिविर

वसईरोड(उत्तरशक्ति)। वसई शहर में पहली बार वसई-विरार शहर महानगरपालिका, विद्यार्थी निधि एवं अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, वसई के सहयोग से भव्य कैरियर मार्गदर्शन शिविर का आयोजन किया गया है। यह शिविर 10 अप्रैल 2024 को दोपहर 3 बजे वाईएमसीए हॉल, मानिकपुर, वसई पश्चिम में आयोजित किया जाएगा। इस शिविर का संचालन पुणे के सुप्रसिद्ध कैरियर परामर्शदाता विजय नवले, आईपीएस अधिकारी कृष्ण प्रकाश और प्रो. मंदार भानुशे उपस्थित रहेंगे और छात्रों को विभिन्न कैरियर के अवसर, मार्गदर्शन और प्रेरणा प्रदान करेंगे। यह शिविर विद्यार्थियों को सही करियर चुनने के लिए सही दिशा प्रदान करने में अत्यंत उपयोगी होगा। वसई विरार शहर महानगरपालिका ने सभी विद्यार्थियों और अभिभावकों से इस स्वर्णिम अवसर का लाभ उठाने की अपील की है।

माटुंगा पुलिस थाने ने इम्पैक्ट गुरु पर लगाए गए आरोपों को खारिज किया

मुंबई। मुंबई पुलिस के माटुंगा थाने ने माननीय मजिस्ट्रेट कोर्ट, कुर्ला के समक्ष समरी बी रिपोर्ट दाखिल की है, जिसमें इम्पैक्ट गुरु के निदेशक पियूष जैन, और बेबी इनारा के माता-पिता नौफिल काजी व निखत खान के खिलाफ लगाए गए झूठे आरोपों को खारिज कर दिया गया है। पुलिस को इन आरोपों में कोई दम नहीं मिला। कोर्ट में दायर समरी बी रिपोर्ट में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि यह शिकायत पूरी तरह से झूठी थी। फरवरी 2024 में आरिफ शेख ने कुर्ला की न्यायिक मजिस्ट्रेट अदालत में एक निराधार शिकायत दर्ज की थी, जिसमें इम्पैक्ट गुरु के सीईओ और बेबी इनारा के माता-पिता के खिलाफ एफआईआर की मांग की गई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि इनारा को स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी (रटअ) जैसी कोई बीमारी नहीं थी, जबकि उन्होंने शिकायत के साथ इनारा की मेडिकल रिपोर्ट भी संलग्न की थी! उन्होंने यह भी झूठा दावा किया कि इनारा को पीडी हिंदुजा अस्पताल में कभी भर्ती नहीं किया गया, जबकि सच्चाई यह है कि इनारा को 20 सितंबर से 30 सितंबर 2024 डॉ. नीलू देसाई की निगरानी में और फिर 16 अक्टूबर से 19 अक्टूबर 2024 डॉ. रंजी सौम्या की निगरानी में, पीडी हिंदुजा अस्पताल में भर्ती किया गया था। इसके अलावा, आरिफ शेख ने इम्पैक्ट गुरु पर 4.5 करोड़ रुपए जुटाए जाने का झूठा दावा किया। जबकि इम्पैक्ट गुरु पर अब तक 2.25 करोड़ रुपये ही इकट्ठा हुआ है। समरी बी रिपोर्ट के अनुसार, शिकायतकर्ता अपने किसी भी दावे के समर्थन में कोई प्रमाण नहीं दे पाए।

उत्तर मुंबई भाजपा लोक कल्याण कार्यालय पर भाजपा स्थापना दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया

मुंबई(उत्तरशक्ति)। भारतीय जनता पार्टी के 45 वें स्थापना दिवस के उपलक्ष में उत्तर मुंबई में केंद्रीय वाणिज्य मंत्री सांसद श्री पीयूष गोयल के मार्गदर्शन में बड़े हर्षोल्लास से स्थापना दिवस मनाया गया। पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी, विधायक गण सर्व योगेश सागर, मनीषा चौधरी, संजय उपाध्याय, जिलाध्यक्ष गणेश खनकर एवं सभी पूर्व नगरसेवक, पदाधिकारी गण ने भाजपा ध्वज को फहराया। साथ ही राम नवमी अवसर पर भगवान श्री राम के आदमकद चित्र और भगवे ध्वज से कार्यालय को सजाया गया। एक निष्ठा से अंत्योदय के मार्ग पर अग्रसर भाजपा आज महाराष्ट्र में डेढ़ करोड़ सदस्यों के साथ भाजपा का बहुमत

से मुख्यमंत्री और सरकार स्थापित हुई है । विश्व के सबसे बड़े राजनैतिक दल कीआज देशभर में स्थापनदिवस की धूम मची है। उत्तर मुंबई में सर्व विधायकी कार्यालय,एवं संगठन कार्यालयों पर ध्वज फहराया गया।साथ ही दोपहर डिजिटल पद्धति से प्रत्येक विधानसभा में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का संवाद स्थापित हुआ। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने बोरीवली के अटल स्मृति उद्यान में बोरीवली विधायक संजय उपाध्याय के साथ कार्यकताओंका संबोधन किया।

मानपाडा पुलिस के हत्थे चढ़े चार शातिर चोर

घरों में करते थे सेंधमारी

डोंबिवली(उत्तरशक्ति)। डोंबिवली की मानपाडा पुलिस ने घरों में सेंधमारी कर चोरी की वारदातों को अंजाम देने वाले गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार कर 2 लाख का मुद्देमाल जब्त किया है गिरफ्तार आरोपियों के नाम जुनैद मोहम्मद खान, साजिद सलीम खान, फजल उर्फ फैजल अय्यूब कुरैशी और अकलीम असलम डोलारे बताए गए हैं पुलिस केव मुताबिक अकलीम डोलारे दूधनाका,कल्याण पश्चिम का रहने वाला है , जबकि अन्य तीनों आरोपी मुंब्रा के रहने वाले बताए जा रहे हैं चारों ही आरोपी शातिर अपराधी हैं जो परिमंडल-३ में चोरी किया करते थें पुलिस ने उनके कब्जे से डीजल, नकद रकम, वारदात में उपयोग की गई चार पहिया वाहन को मिलाकर

कुल 2 लाख 10 हजार का माल बरामद किया है मानपाडा नपुलिस के अनुसार मुंब्रा के खड़ी मशीन इलाके का रहने वाले फजल उर्फ फैजल पर मानपाडा और विष्णुनगर थाने में चोरी के अनेक मामले दर्ज हैं फिलहाल चारों आरोपी मानपाडा पुलिस की हिरासत में है और पुलिस आगे की कानूनी कार्रवाई करने में जुटी हुई है।

प्रज्ञा शोध छात्रवृत्ति में जिप नरसिंह सूर्यवंशी का अतुलनीय योगदान: भाऊसाहेब शेटे

पालघर(उत्तराशक्ति)। जिला परिषद प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालय कालीधोंड में वर्ष 2019 से कमजोर वर्ग के विद्यार्थियों के लिए प्रज्ञा शोध परीक्षा आयोजित की जा रही है। इस परीक्षा में सबसे अधिक पात्र विद्यार्थियों की सूची में शामिल होने वाला स्कूल जिला परिषद स्कूल कालीधोंड है, जो लगातार 2019 से 2024 तक उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहा है। इस उपलब्धि का श्रेय विद्यालय के सह-शिक्षक नरसिंग ज्ञानोबा सूर्यवंशी को जाता है, जिन्होंने स्कूल समय के अतिरिक्त विशेष पद्धति से विद्यार्थियों को तैयार किया। उनके मार्गदर्शन में अब तक 75 से अधिक विद्यार्थी मेरिट सूची में आ चुके हैं और इस वर्ष भी मेरिट में आने वाले आठ बच्चों को 12,000 रुपये की वार्षिक छात्रवृत्ति मिली है। विद्यालय के प्रधानाध्यापक भाऊसाहेब शेटे ने

सूर्यवंशी सर के समर्पित कार्य को सराहा है।

साथ ही स्कूल प्रबंधन समिति के अध्यक्ष हरि बोरसे, पूर्व जिला सदस्य श्रवण खरपड़े, तथा जिला परिषद शिक्षा अधिकारी मातेकर मैडम ने भी उनके योगदान की सराहना की। इस कार्य में कक्षा शिक्षिका लक्ष्मी ठाकरे ने भी विशेष भूमिका निभाई, जिन्हें भाऊसाहेब शेटे का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। इसके अलावा संजय कोकातरे ने भी बच्चों की शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया। इस शानदार उपलब्धि के कारण कालीधोंड स्कूल का नाम पूरे तहसील में गर्व के साथ लिया जा रहा है और शिक्षकों व प्रबंधन समिति को सर्वत्र प्रशंसा मिल रही है।

श्री नामदेव युवा मंडल पालघर द्वारा आयोजित स्नेह सम्मेलन हर्षोल्लास पूर्वक संपन्न

पालघर(उत्तरशक्ति)। श्री नामदेव युवा मंडल पालघर के तत्वाधान में जिले के नालासोपारा के आई माता वडेर में रविवार को पालघर जिला के नामदेव छीपा समाज का चतुर्थ स्नेह सम्मेलन धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में महिलाओ द्वारा भजन कार्यक्रम के बाद संत शिरोमणि की आरती करके बच्चो द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम किया गया। तत्पश्चात होनहार छात्र छात्राओं को पुरस्कार वितरण किया गया। इसी दौरान चढ़ावो की बोलिया बोली गईं जिसमे समाज बन्धुओ ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम के अंत में महाप्रसादी का आयोजन रखा गया। कार्यक्रम में अतिथि पीएसआई भगवान पाटील ने युवाओं को भविष्य के लिए मार्गदर्शन दिया वही तुलसी छीपा ने महिलाओ को आत्मनिर्भर बनने व सामाजिक व धार्मिक कार्यों में भागीदारिता के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में युवा मंडल के संजय परिहार,प्रवीण भाटी,रमेश परिहार के साथ कार्यकर्ता मनीष चौहान,विजय परमार,इंदरमल भाटी,सतीश परमार,कैलाश गहलोत,कमलेश,राजेश परिहार,दिनेश गहलोत,मदन परिहार,महेश गहलोत,हसमुख परिहार,यशपाल सोलंकी व भरत परमार का विशेष सहयोग रहा।

परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक की अध्यक्षता में 9 अप्रैल को होगा लोक दरबार का आयोजन

पालघर(उत्तरशक्ति)। पालघर जिले के नागरिकों की समस्याएं जानने और उन्हें समाधान देने के उद्देश्य से परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक की अध्यक्षता में बुधवार 9 अप्रैल 2025 को दोपहर 3 बजे जिलाधिकारी कार्यालय के लोकशाहीर आत्माराम पाटील, नियोजन समिति सभागार, पालघर में लोक दरबार का आयोजन किया गया है। इस लोक दरबार में परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक पालघर जिले की जनता से सीधे संवाद करेंगे। साथ ही जिले के सभी विभागों के प्रमुख भी इस कार्यक्रम में मौजूद रहेंगे। लोक दरबार में शामिल होने के लिए नागरिकों को दोपहर 1 बजे से टोकन नंबर वितरित किए जाएंगे।जिलाधिकारी डॉ. इंदूराणी जाखड़ ने अधिक से अधिक नागरिकों से इस लोक दरबार में उपस्थित रहने की अपील की है।

बालवाड़ी निर्माण के लिए विधायक मुरजी पटेल को नागरिकों ने ज्ञापन सौंपा

मुंबई। अंधेरी पूर्व विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली पवई की झोपड़पट्टी में अनेक जनसमस्याओं का अभाव है। इस कारण स्थानीय विधायक मुरजी पटेल से पवई की सामाजिक संस्था यादव वेल्फेयर सोसायटी की ओर बालवाड़ी निर्माण के लिए ज्ञापन सौंपा है। बता दें कि चुनाव से पूर्व और विधायक न होते हुए भी अनेक समाजिक, धार्मिक स्थालों के अलावा युवाओं को खेल प्रतियोगिता में सहयोग करने का कार्य वर्तमान विधायक मुरजी पटेल करते आ रहे हैं।जिसके कारण पवई गौतम नगर के निवासियों द्वारा यादव वेल्फेयर सोसायटी के माध्यम से झोपड़पट्टी बाहुल्य के बच्चों के उज्जवल भविष्य को देखते हुये विधायक को बालवाड़ी बनाने का ज्ञापन सौंपा है।

बताया जाता है कि पवई के गौतम नगर , मोरारजी नगर अतिक्रमण से पूरा भर गया। ऐसे में आरे कॉलोनी के जंगलों से सटे होने के कारण असामाजिक तत्वों द्वारा खाली पड़े भूखंड पर अवैध अतिक्रमण न होने के लिए यादव वेल्फेयर सोसायटी की ओर से बालवाड़ी बनाने का प्रस्ताव विधायक मुरजी पटेल के सामने रखा है। इसके अलावा पवई की झोपड़पट्टियों में व्याप्त गंदगी और अन्य समस्याओं को सुलझाने की मांग की है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, विश्व समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

छात्रों के हित की लड़ाई लड़ेगी समाजवादी छात्र सभा: विनीय

प्रथम आगमन पर फूल मालाओं से क्षेत्र में हुआ जोरदार स्वागत

खेतासराय,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। समाजवादी छात्र सभा के प्रदेश अध्यक्ष विनीय कुशवाहा का रविवार को पाराकमाल गांव में छात्र सभा के जिला सचिव अमान महताब के आवास पर मुख्य अतिथि का भव्य स्वागत अंगवस्त्रम व फूल मालाओं से किया गया।%स्वागत समारोह को संबोधित करते हुए कुशवाहा ने कहा कि समाजवादी छात्र सभा छात्रों की समस्याओं को लेकर पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि छात्रों के हितों की अनदेखी किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी और हर मुद्दे पर मजबूती से आवाज उठा रही है। प्रदेश भर में समाजवादी छात्र सभा छात्रों के मुद्दों को लेकर मुखर है। और आगे भी यह संघर्ष जारी रहेगा। इस मौके पर छात्र सभा के जिलाध्यक्ष दिलीप प्रजापति ने जौनपुर के छात्रों की स्थानीय समस्याओं से प्रदेश अध्यक्ष को अवगत कराया। वहीं, पूर्वांचल विश्वविद्यालय के छात्रों ने एक ज्ञापन सौंप कर अपनी समस्याएं रखीं।जिस पर कुशवाहा ने गंभीरता से संज्ञान लेते हुए शीघ्र समाधान करने का आश्वासन दिया।

जिला सचिव अमान महताब ने छात्रवृत्ति के मुद्दे को उठाते हुए कहा कि ओबीसी, एससी, एसटी और अल्पसंख्यक वर्ग के छात्रों को छात्रवृत्ति सबसे अंत मे मिल रही है। जबकि आर्थिक रूप से सक्षम ईडब्लूएस के छात्रों को इसका लाभ पहले मिल जा रहा है। उन्होंने मांग की कि छात्रों के साथ भेदभाव समाप्त कर सभी को समान रूप से देखा जाए तथा छात्र हित को देखते हुए आवश्यक कदम उठाए जाएं जो छात्र हित में हों। कार्यक्रम में महताब आलम मन्नान, कमाल अहमद, गुफरान अहमद, शकील अहमद, मोहम्मद राफे, आकिब, उमैर खान, अब्दुल्लाह, राजीव कुमार, गोविंद यादव, संदीप बिंद, मुन्ना मौर्य समेत आदि लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत मे आयोजक अमान महताब ने आगंतुकों के प्रति आभार प्रकट किया।

रिया अब कभी नहीं जाएगी स्कूल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले में 9वीं कक्षा की छात्रा रिया प्रजापति ने इसलिए अपनी जान दे दी, क्योंकि उसके स्कूल ने फीस बकाया होने पर उसे परीक्षा से बाहर कर दिया और अपमानित किया। क्या यही है हमारी ₹नई शिक्षा नीति, क्या यही है वो ₹समावेशी भारत₹, जहाँ हर बच्चा पढ़ने का अधिकार लेकर पैदा होता है। आज हम चाँद पर जा रहे हैं, एआई में तरक्की कर रहे हैं, डिजिटल इंडिया बना रहे हैं। लेकिन क्या हमारी संवेदनाएं मर चुकी हैं। क्या शिक्षा अब सिर्फ पैसे वालों की जागीर बनकर रह गई है। प्राइवेट स्कूलों ने शिक्षा को कारोबार बना डाला है। मनमानी फीस, बिल्डिंग चार्ज, यूनिफॉर्म और बुक्स सेंटर के नाम पर लूट और गरीब बच्चों के आत्मसम्मान को रौंदते शिक्षक और प्रबंधन।

रिया तो चली गई, पर सवाल छोड़ गई कि कौन जिम्मेदार है उसकी मौत का, रिया जैसे हजारों बच्चे बच्चियाँ कहीं चुप हैं, कहीं टूट रहे हैं। कृपया आवाज उठाइये, क्योंकि अगली रिया आपके घर की भी हो सकती है।

वाराणसी में एथलीट से चलती कार में गैंगरेप

हुक्काबार में खिलाड़ी से दोस्ती, हुकुलगंज के 6 लड़कों ने की वारदात

डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के लालपुर पांडेपुर थाना क्षेत्र के हुकुलगंज में छह युवकों ने एथलीट खिलाड़ी से गैंगरेप किया। काले रंग की चलती कार में वारदात को अंजाम दिया। परिजनों ने जानकारी के बाद पुलिस को तहरीर दी तो छह लड़कों की तलाश शुरू हो गए। एक आरोपी को पुलिस ने देर शाम 7 बजे दबोच लिया, अन्य की लोकेशन खंगाली जा रही है।बताया गया कि युवती सिगरा स्थित हुक्का बार से लड़कों के संपर्क में आई और उनसे दोस्ती हो गई। एक दोस्त बहाने से कार में बिठाकर अपने साथ कचहरी इलाके में ले आया फिर हुकुलगंज रोड़ पर पहुंचा। यहां उसने अपने अन्य साथियों को बुला लिया। बारी-बारी से सभी ने रेप की वारदात को अंजाम दिया और उसे बदहवास हालत में छोड़कर फरार हो गए।मामले में किसी की मदद से एथलीट खिलाड़ी घर पहुंची लेकिन उसने परिजनों को कुछ नहीं बताया। बेटी की हालत देखकर देखकर परिजन उसे चिकित्सक के पास ले गए, जहां उपचार किया गया। सामान्य हालत होने पर पिता अपनी बेटी को लेकर थाने पहुंचा और पूरे मामले की जानकारी दी।

पीएम मोदी 11 अप्रैल को वाराणसी समेत पूरे पूर्वांचल को देंगे अरबों की सौगात

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के बाबतपुर एयरपोर्ट अब और भी अधिक सुविधाजनक बनने जा रहा है। अपने 11 अप्रैल के आगमन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वाराणसी सहित पूर्वांचल में कई विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखने वाले हैं जिनमें बाबतपुर एयरपोर्ट के विस्तार के तहत सिक्सलेन टनल का निर्माण प्रमुख है। इस परियोजना के तहत एयरपोर्ट पर रनवे का विस्तार किया जाएगा,जिससे अब एक साथ दो विमान लैंड और टेकऑफ कर सकेंगे इस बदलाव के बाद एयरपोर्ट से विमानों की आवाजाही बढ़कर 110 प्रतिदिन हो जाएगी, जिससे पहले की तुलना में काफी वृद्धि होगी। सिक्सलेन टनल का निर्माण वाराणसी-लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-21) को नए आकार में ढालते हुए होगा, जिससे ट्रैफिक जाम की समस्या को हल किया जा सकेगा। इसके लिए 652.64 करोड़ रुपये का बजट रखा गया है, जिसमें से 325 करोड़ रुपये केवल टनल निर्माण पर खर्च किए जाएंगे। इसके अलावा, एयरपोर्ट के पास की 10.50 हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण किया गया है।

इस परियोजना के पूरा होने से शहर और एयरपोर्ट के बीच यातायात के सुगम मार्ग का निर्माण होगा। प्रधानमंत्री मोदी की योजना में वाराणसी में एक नया ट्रांसपोर्ट नगर भी शामिल है, जो मोहनसराय में बनेगा। इस परियोजना के तहत 12 करोड़ रुपये से ट्रक पार्किंग, गोदाम, रेस्टोरेंट, शॉपिंग कॉम्पलेक्स और ड्रॉरमेट्री सुविधा जैसी आवश्यकताओं को पूरा किया जाएगा। ट्रक ड्राइवरों के लिए यहां सीसीटीवी निगरानी और सुरक्षा व्यवस्था भी सुनिश्चित की

सिक्सलेन टनल, ट्रांसपोर्ट नगर, पार्कों का सुंदरीकरण और कई विकास परियोजनाएं

जाएगी। शहर में विभिन्न पार्कों के जीर्णोद्धार का भी प्रधानमंत्री मोदी शिलान्यास करेंगे। वाराणसी के 11 प्रमुख पार्कों का सुंदरीकरण किया जाएगा, जिनमें अशोक नगर, महादेव नगर, कांशीराम योजना और बिरदोपुर के पार्क प्रमुख हैं। इस कार्य से शहर की हरियाली और सौंदर्य में वृद्धि होगी। प्रधानमंत्री मोदी वाराणसी के चौराहों पर 35 नई कलाकृतियों का भी उद्घाटन करेंगे। इन कलाकृतियों में हॉकी स्टिक, कथक करती नृत्यांगना, नंदी-शेर और वाराणसी के घाटों की प्रतिकृतियां शामिल हैं। इन चौराहों पर यह कलाकृतियां शहर की पहचान और सुंदरता को बढ़ाएंगी। शिवपुर में 6.15 करोड़ रुपये से एक मिनी स्टेडियम भी तैयार किया जाएगा, जिसमें योग पैवेलियन, वॉकिंग ट्रैक, क्रिकेट नेट, हॉकी और फुटबॉल फील्ड जैसी खेल सुविधाएं होंगी। यह परिसर बच्चों, युवाओं और खेल प्रेमियों के लिए एक बेहतरीन स्थान साबित होगा। प्रधानमंत्री मोदी की योजनाओं में जल जीवन मिशन के तहत 130 ग्रामीण पेयजल योजनाओं के लिए 345.12 करोड़ रुपये, विभिन्न सड़कों के चौड़ीकरण के लिए 100 करोड़ से अधिक का बजट, 400 केवी सब स्टेशन और ट्रांसमिशन लाइनों के लिए 1000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश शामिल है। इसके अलावा, शिक्षा क्षेत्र में कई नए महाविद्यालयों और पुस्तकालयों का निर्माण भी किया जाएगा।

दृष्टिकोण तय करता है जीवन की ऊँचाई: विकास पुरी

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के सेंट्रल ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल

द्वारा न 'द विनिंग माइंडसेट' विषयक ऑनलाइन विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य वक्ता अम्बिका स्टील्स लिमिटेड, नई दिल्ली के सीएचआरओ विकास पुरी ने कहा कि किसी भी व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक मानसिकता (माइंडसेट) के निर्माण के लिए लक्ष्य का होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने उदाहरण देते हुए समझाया कि जिस प्रकार वृक्ष का तना मजबूत होना आवश्यक है। ठीक उसी प्रकार हमारे व्यवहार का भी मजबूत होना जरूरी है। जीवन में आगे बढ़ने के लिए दो महत्वपूर्ण बिंदुओं उद्देश्य और विरासत पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है। पुरी ने आपका दृष्टिकोण ही आपके जीवन की ऊँचाई तय करते है प्रसिद्ध कथन के माध्यम से छात्रों को प्रेरित किया. कहा कि यदि जीवन में आगे बढ़ना है तो बहानों को छोड़ना होगा। क्योंकि विजेता बहाने नहीं बनाते, वे रास्ते निकालते हैं। साथ ही, उन्होंने यह भी कहा कि 'विक्टिम माइंडसेट' को त्यागकर 'विनर माइंडसेट' अपनाना आवश्यक है। पूरी के उद्बोधन के बाद छात्र छात्राओं ने अपने सवाल पूछे । पूरी ने विस्तार से उनके सवालों के जवाब दिए। इस कार्यक्रम ने छात्रों को अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने और एक विजेता मानसिकता अपनाने के लिए प्रेरित किया। इससे पहले कार्यक्रम में सभी का स्वागत सेंट्रल ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के समन्वयक प्रो. अविनाश डी. पाथर्डीकर ने किया तथा कार्यक्रम का संचालन व धन्यवाद ज्ञापन सेंट्रल ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के उप समन्वयक सुशील कुमार ने किया. इस मौके पर डा. मनोज त्रिपाठी, डा. विशाल यादव, श्याम त्रिपाठी व विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के छात्र छात्राओं समेत यश जायसवाल, अमन कुमार, रिंसु सिंह, आंचल विश्वकर्मा, कशिश शीकरी, कोमल सिंह आदि उपस्थित रहे।

अंजुमन इदरीसीय रौजा अर्जन बड़ी मस्जिद की हुई बैठक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। इतवार 6 अप्रैल 2025 को अंजुमन इदरीसीय रौजा अर्जन बड़ी मस्जिद की बैठक मुकम्मल हुई जिसमें

तय हुआ है।मरहूम हजरत मौलाना सूफी हसनैन अहमद सिद्दीकी साहब इमाम व खतीब जौनपुर की याद मे इंशाअल्लाह 10 मई 2025 बरोज शनिचर बाद नमाज ईशा एक अजीमुश्शान तरही नात ख्वानी का इनकाद अंजुमन इदरीसीय रौजा अर्जन बड़ी मस्जिद की जानिब से होने जा रहा है।आप सभी हजरात से गुजारिश है जायदा से जायदा तादात में तशरीफ लायें और प्रोग्राम को कामियाब बनाई। जिसमें सबकी सहमति से सदर सऊद अहमद, सेक्रेटरी सरफुद्दीन, खजांची आरिफ को चुना गया है। सरपरस्त जनाब शकील गुजरवाल, मो जमील, मो.निजामुद्दी, मो.इस्लाम, फिरोज अहमद, नसीम अहमद, मो नदीम, मो. फजल निजामी, परवेज निजामी, नबीउल्लाह, मो असलम, शायर अकमल जौनपुरी इत्यादि लोग मौजूद रहे। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी फिरोज अहमद गांधी ने दी।

संचारी रोग अभियान के तहत चलाया गया प्लास्टिक मुक्त अभियान

ग्राम पंचायतों में सिंगल यूज प्लास्टिक के बारे में किया गया जागरूक

खेतासराय,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। संचारी रोग नियंत्रण अभियान के अंतर्गत विकास खण्ड शाहगंज सोंधी क्षेत्र के ग्राम पंचायतों में सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त अभियान सक्रिय रूप से चलाया जा रहा है। इसी क्रम में सोमवार को क्षेत्र के महरौडा ग्राम सभा में विशेष अभियान के तहत दुकानों व घरों में प्लास्टिक एकत्र करने के लिए ग्रामीणों को प्रेरित किया गया। इस अवसर पर सहायक विकास अधिकारी पंचायत संजय कुमार यादव व ब्लॉक कोऑर्डिनेटर कमलाकांत मौर्य व ब्लाक कोआर्डिनेटर विजय कुमार यादव,द्वारा गांव का निरीक्षण किया गया। उन्होंने ग्रामीणों से अपील किया कि सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न करें और उसे निर्धारित स्थान पर एकत्र करें ताकि समय रहते उसका निस्तारण किया जा सके। कर्मचारियों ने बताया कि यह अभियान न केवल पर्यावरण संरक्षण के लिए आवश्यक है। बल्कि संचारी रोगों की रोकथाम में भी अहम भूमिका निभाएगा। इस मौके पर न्याय पंचायत के समस्त सफाई कर्मचारी, ग्राम प्रधान मनोज कुमार बिंद, विजय कुमार सहित आदि ग्रामीण उपस्थित रहे।

प्रशस्ति पत्र व मेडल पाकर खिले बच्चों के चेहरे

शिक्षित व्यक्ति ही कर सकता है सभ्य समाज का निमार्ण: डॉ.सुषमा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मुंगराबादशाहपुर शिक्षित व्यक्ति ही सभ्य समाज का निर्माण कर सकता

है। शिक्षा के साथ संस्कार बालक को देश और समाज के साथ जोड़ते हैं और उसमें मानवीय गुणों का सृजन करते हैं। उक्त बातें गांव समसपुर में स्थित नन्हकू यादव शिक्षण संस्थान में आयोजित पुरस्कार वितरण व सम्मान समारोह में पूर्व विधायक डॉ सुषमा पटेल ने बच्चों के बीच कहीं। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही देश की पहचान है। बच्चों को शिक्षा के साथ अनुशासन के महत्व को बताया। उन्होंने सत्र समाप्ति पर कक्षाओं में उत्कृष्ट स्थान बनाने के लिए बच्चों को उज्जवल भविष्य की कामना की। कक्षा नर्सरी से लेकर कक्षा आठ तक मेधावी बच्चों में अनमोल, प्रियांशु, स्नेहा गुप्ता, नैना यादव, मन्नत, श्रेया, दिव्यांशी, अक्षत, जागृत मिश्रा, अभिनव, सेजल, प्रतिन, आर्यन, प्रवीण, शक्ति, अंश, प्रांजल, तनु, आरुल, स्नेहा व प्रिया आदि प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पाने वाले बच्चों को पूर्व विधायक डॉ सुषमा पटेल, प्रबंधक विनोद यादव व सह प्रधानाचार्य सीमा यादव ने मेडल व प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया। अध्यक्षता राधेश्याम यादव तथा संचालन शैलेश यादव ने किया। प्रबंधक विनोद यादव तथा प्रधानाचार्य शैलेंद्र यादव ने आगंतुकों के प्रति आभार जताया।

इस मौके पर राजबहादुर यादव, रमेश सरोज, वीरेंद्र बिन्द, भीम यादव, राजेंद्र कुमार, सरिता, माधुरी, तुलसी राम, व राकेश यादव आदि मौजूद लोग रहे।

आख्या देने के नाम पर घूस लेते रेवतीपुर थाने का दारोगा गिरफ्तार

गाजीपुर(उत्तरशक्ति)। मारपीट के मामले में कोर्ट में आख्या भेजने के नाम पर पीड़ित से 10 हजार रुपये घूस लेते वक्त एंटी करप्शन वाराणसी की टीम ने सोमवार को रेवतीपुर थाने के एक एसआई को रंगेहाथ दबोच लिया। इस दौरान दारोगा ने टीम के लोगों के साथ धक्का-मुक्की का भी प्रयास किया, लेकिन टीम के लोगों ने उसे पकड़कर तत्काल अपने सरकारी वाहन में बैठा लिया और सीधे शहर कोतवाली ले आये। नंदलाल यादव पुत्र चेथरु यादव निवासी कल्याणपुर थाना रेवतीपुर ने 5 अप्रैल को एंटी करप्शन ऑफिस वाराणसी में प्रार्थनापत्र देकर बताया कि 28 फरवरी को उसके पट्टीदार रामबचन और उसके बीच जमीन के विवाद में मारपीट हो गई थी। जिसके सम्बंध में मुकदमा दर्ज करने के लिए उसने 7 मार्च को न्यायालय में बीएनएस की धारा 175(3) के तहत प्रार्थनापत्र दिया था। उक्त प्रार्थनापत्र पर आख्या भेजने के नाम पर रेवतीपुर थाने के दारोगा लल्लन यादव उससे 10 हजार रुपये घूस की डिमांड कर रहे है। यही नहीं घूस के रुपये न देने पर वह कोर्ट में गलत आख्या भेजने की बात कह रहे है। शिकायत पर गम्भीर हुए एंटी करप्शन ऑफिस के जिम्मेदार अधिकारियों ने एसएचओ नीरज सिंह के नेतृत्व में टीम को मौके पर भेजा। सोमवार को टीम के लोग थाने के पीछे सड़क के पास खड़े थे। पहले दारोगा ने रिश्वत के रुपयों के लेने के लिए नंदलाल को बाटी-चोखा ढाबा पर बुलाया, लेकिन बाद में उसने उसे थाने के पीछे बुला लिया। यहां घूस के रुपये लेते हुए टीम के लोगों ने दारोगा को रंगेहाथ पकड़ लिया। अपने आप को फंसता देख दारोगा धक्का-मुक्की कर भागने का प्रयास किया, लेकिन टीम के लोगों ने तत्काल उसे पकड़कर अपने सरकारी वाहन में बैठा दिया और शहर कोतवाली ले आये।यहां पूछताछ में उसने बताया कि वह देवरिया जिले के ग्राम बतरौली पाण्डेय थाना खुखुदू का रहने वाला है। वर्ष 1991 में उसकी नियुक्ति कांस्टेबल पद हुई थी। वर्ष 2024 में प्रोन्नति कर वह दारोगा बन गया। एंटी करप्शन टीम के प्रभारी नीरज सिंह ने बताया कि शिकायत मिलने के बाद हमलोगों ने पूरे मामले की जांच की। जांच में आरोप सत्य पाया गया। इसके बाद कार्रवाई की गई। घूस के रुपयों के साथ पकड़े गये दारोगा लल्लन यादव के खिलाफ शहर कोतवाली में विधित कार्रवाई की गई।

वाराणसी क्राइम ब्रांच के इंस्पेक्टर ने प्रयागराज में खुद को मारी गोली, आत्महत्या की आशंका

प्रयागराज(उत्तरशक्ति)। वाराणसी क्राइम ब्रांच के विवेचना सेल में तैनात इंस्पेक्टर तरुण कुमार पांडेय ने प्रयागराज के मयोर रोड स्थित अपने घर में खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है कि वह लंबे समय से बीमार चल रहे थे और अकेले ही रहते थे। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है।मृतक इंस्पेक्टर की पत्नी और बेटा बेंगलुरु में रहते हैं। हाल ही में उनकी तैनाती क्राइम ब्रांच के विवेचना सेल में हुई थी। आत्महत्या के पीछे बीमारी और अकेलापन वजह मानी जा रही है, हालांकि पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

रामनवमी पर 151 कन्याओं को दिया गया दान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद की मशहूर शीतला धाम के प्रांगण में शीतला जी महारानी पुरोहित ट्रस्ट परिवार के बैनर तले एक प्रोग्राम हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी रामनवमी के शुभ अवसर पर हुआ। इस मौके पर शगुन के रूप में लिफाफे दिए गए एवं चुनरी दी गई वही उक्त कन्याओं को जरूरत के बर्तन भी दिए गए प्रोग्राम में ट्रस्ट के मुख्य ट्रस्टी विद्याधर त्रिपाठी मन्नू गुरु और उनकी पत्नी मनोज कुमारी त्रिपाठी भी मौजूद रही। इस मौके पर मुख्य रूप से उग्रसेन दुबे, सरोज दुबे, नूतन उपाध्याय, सत्य प्रकाश मिश्रा, आदर्श, अनुश्रुति अधिवक्ता, प्रज्ञा, श्वेता, डॉ.कृतिका त्रिपाठी, दिनेश चन्द, नाटे शुक्ला, अवनीश तिवारी, अजय शुक्ला, आदर्श की पत्नी कृति त्रिपाठी आदि उपस्थित रही।

सड़क चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कार्य का शिलान्यास

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद की जनता के आवागमन की सुगमता

के दृष्टिगत रखते खेल एवं युवा कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गिरीश चन्द्र यादव ने मल्हनी खुटहन मार्ग के किमी 5 दहीरपुर नाले से लुंबिनी दुद्धी मार्ग के किलोमीटर 236 तक लगभग 3.4 किलोमीटर मार्ग के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कार्य का शिलान्यास किया। इस मार्ग कि कुल लागत रु० 873.97 लाख (रुपए आठ करोड़ तिहत्तर लाख सत्तानवे हजार मात्र) है। राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) ने कहा कि इस मार्ग के चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण हो जाने से आवागमन में सुगमता होगी। यह मार्ग करंजाकला ब्लॉक तक बनेगी, यह मार्ग दो प्रमुख मार्ग को जोड़ेगी, जौनपुर-खुटहन मार्ग से जौनपुर-शाहगंज मार्ग को, जिससे क्षेत्र वासियो को आवागमन में लाभ मिलेगा, इसके साथ ही साथ प्यारेपुर पास गोमती नदी पर बन रहे पुल की मई 2025 तक बन जाने की संभावना है। जिससे इस क्षेत्र की जनता के साथ साथ अन्य लोगों को भी लखनऊ, प्रयागराज व अन्य जगह जाने में सुविधा हो जाएगी। राज्यमंत्री (स्वतन्त्र प्रभार) गिरीश चन्द्र यादव ने इस परियोजना के लिए जौनपुर की जनता की तरफ उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं वित्त मंत्री सुरेश खन्ना का बहुत बहुत आभार व्यक्त किया। शिलान्यास कार्यक्रम में प्रमुख रूप से राजकेसर पाल, रविन्द्र सिंह राजू दादा, प्रशांत सिंह, अजय सिंह, राधेश्याम पाल, अजय यादव, इंद्रराज पाल, मनीष श्रीवास्तव व शिव कुमार तिवारी अन्य प्रमुख लोग उपस्थित रहे।

रामजन्म महोत्सव पर उमड़ा श्रद्धालुओं का जनसैलाब, जेसीआई जौनपुर युवा ने किया भव्य आयोजन

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जेसीआई जौनपुर युवा द्वारा रामजानकी मंदिर में भव्य रामजन्म महोत्सव एवं प्रसाद वितरण कार्यक्रम का आयोजन अत्यंत श्रद्धा और उत्साह के साथ किया गया। इस पावन अवसर पर रामभक्तों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी और पूरे मंदिर परिसर में भक्तिमय वातावरण बना रहा।कार्यक्रम की अध्यक्षता अवनीश केसरवानी ने की। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं और अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि भगवान श्रीराम का जीवन हमें सत्य, धर्म और कर्तव्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। ऐसे आयोजनों से युवा पीढ़ी में भी धार्मिक और सांस्कृतिक चेतना जागृत होती है।

कार्यक्रम में उद्योग व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष एवं पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष दिनेश टंडन, प्रदेश उपाध्यक्ष सोमेश्वर केसरवानी, महामंत्री रामकुमार साहू, जेसीआई जौनपुर युवा के संस्थापक अध्यक्ष आकाश केसरवानी, एक्टर-डायरेक्टर स्वरम शर्मा, सूरज सेठ, तथा केसरवानी समाज से जुड़े गणमान्य नागरिक जैसे विनय केसरी, अरुण केसरी एवं महेंद्र केसरी की उपस्थिति ने कार्यक्रम को और भी गौरवशाली बना दिया।रामजन्म के पावन क्षण पर संकीर्तन और भजनों की धुनों से वातावरण भक्तिमय हो गया। जैसे ही भगवान श्रीराम का जन्मोत्सव आरंभ हुआ, पूरे परिसर में ह्लजय श्रीरामह्व के जयघोष गूंज उठे। सभी श्रद्धालुओं ने दीप प्रज्वलित कर आरती में भाग लिया और प्रसाद ग्रहण किया।कार्यक्रम की व्यवस्था और संचालन में जेसीआई युवा के सक्रिय सदस्य शुभम साहू, अमन साहू, सौम्या केसरी, सुमित साहू, मोहित साहू, विशाल साहू, नयन श्रीवास्तव, मोहित आदि ने प्रमुख भूमिका निभाई। इन युवाओं के अथक प्रयासों से यह कार्यक्रम अत्यंत सफल और अनुशासित रहा।कार्यक्रम के अंत में रश्मि केसरी ने सभी श्रद्धालुओं, अतिथियों, समाजसेवियों तथा सहयोगियों का हृदय से धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि जेसीआई युवा सदैव सामाजिक, धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजनों में आगे रहा है और भविष्य में भी समाजहित में ऐसे कार्यक्रम करता रहेगा।रामजानकी मंदिर में आयोजित यह भव्य रामजन्म महोत्सव नगरवासियों के लिए एक अविस्मरणीय अनुभव बना, जिसमें भक्ति, संस्कृति और सामुदायिक भावना का सुंदर समागम देखने को मिला। श्रद्धालु भी इस आयोजन से अभिभूत नजर आए और उन्होंने जेसीआई युवा के कार्यों की भूरी-भूरी प्रशंसा की।

एंटी करप्शन टीम ने रिश्वत लेते दरोगा को किया गिरफ्तार

गाजीपुर (उत्तरशक्ति)। एंटी करप्शन वाराणसी की टीम ने एक उपनिरीक्षक को 10 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए रंगेहाथ गिरफ्तार किया। वह रेवतीपुर थाने में तैनात था और थाने के पास पेड़ के पीछे से जाकर रिश्वत ले रहा था। कल्याणपुर गांव के निवासी नंदलाल यादव ने वाराणसी एंटी करप्शन कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि 28 फरवरी को उनके पट्टीदार के साथ भूमि विवाद में मारपीट हुई। कोई सुनवाई न होने पर सात मार्च को उन्होंने गाजीपुर न्यायालय में प्रार्थना पत्र दिया था। इस मामले में आख्या भेजने के लिए 10 हजार रुपये रेवतीपुर थाने पर तैनात उप निरीक्षक लल्लन यादव ने मांग की। आरोप है कि दारोगा ने धमकी दी थी कि रिश्वत न देने पर वह उल्टी रिपोर्ट भेज देंगे। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए एंटी करप्शन टीम ने अपने स्तर से जांच की और शिकायत में सत्यता मिली। इसके बाद शिकायतकर्ता के माध्यम से उप निरीक्षक को बुलवाया गया, जो थोड़ी दूर पर एक पेड़ के पीछे दोपहर 3:10 बजे 10 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया। एंटी करप्शन टीम वाराणसी के प्रभारी निरीक्षक नीरज कुमार सिंह ने बताया कि आरोपी उपनिरीक्षक के खिलाफ शहर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया गया है।

राम जानकी मंदिर में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

-नान बाबू चौहान

बलरामपुर(उत्तरशक्ति)। श्री रामनवमी के अवसर पर राम जानकी मंदिर में भारी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। बलरामपुर के श्री दत्त गंज ब्लांक खंड के अंतर्गत ग्राम सभा महुआ इब्राहिम के श्रीराम जानकी मंदिर में लंबी कतारों में खड़े होकर श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। श्रीराम जानकी मंदिर में रामनवमी के शुभ मुहूर्त में श्री राम जानकी प्राण प्रतिष्ठा के साथ मूर्ति का स्थापना किया गया। इसके पूर्व कलश शोभा यात्रा निकाली गई थी। स्थानीय लोगों ने ग्राम सभा में भारी संख्या में महिलाओं एवं बच्चों व बुजुर्गों ने शोभा कलश यात्रा में शामिल हुई। शोभायात्रा में मुख्य रूप से राम चौहान, घनश्याम चौहान, सहयोगी बलबीर मौर्य, ग्राम प्रधान कुलदीप सिंह के साथ-साथ क्षेत्र के संभ्रांत लोग मौजूद रहे।

गेहूं फसल में लगी आग, 300 बीघा जलकर राख

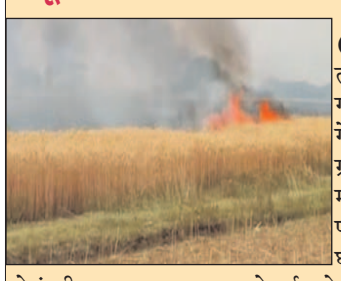

सिद्धार्थनगर (उत्तरशक्ति)। शोहरतगढ़ तहसील क्षेत्र के सिरसिया राजा गांव के सीवाना में सोमवार को गेहूं फसल में आग लग गई। ग्रामीण के लोगों की घंटों कड़ी मकसद के बाद आग पर काबू पाया गया। इस आग लगी की घटना में 300 बीघा से अधिक गेहूं की फसल जलकर नष्ट हो गई। खेत को जलता हुआ देखकर कई पीड़ित किसान रो पड़े। जानकारी के मुताबिक सिरसिया राजा गांव के उत्तर तरफ सीवान में दोपहर करीब एक बजे के लगभग अज्ञात कारण से आग लग गई। जबतक आसपास गांव के लोग समझ पाते की आग ने अपना विकराल रूप धारण कर लिया। ग्रामीण के लोग आग को बुझाने का प्रयास करने लगे। आग धीरे-धीरे सिरसिया राजा ,बरैनिया ,नकाही ,नईडहर चार गांव के सीवाना में फैल गई। जिससे चारों गांव के सीवाना में खड़ी गेहूं की फसल जल गई। ग्रामीण के लोगों ने इसकी सूचना फायर एवं तहसील पर दी। ग्रामीण एवं आसपास के लोगों की कड़ी मेहनत के तीन घंटे बाद आग पर काबू पाया गया। ग्रामीण के लोगों की ओर से आग को बुझाने के बाद भी घटना स्थल पर फायर की गाड़ी नहीं पहुंची। इस आगलगी में किसानों का 300 बीघा से अधिक गेहूं की खड़ी फसल जल गई।

एमएमएमयूटी में अटकी एक हजार से अधिक ओबीसी छात्रों की स्कॉलरशिप

गोरखपुर(उत्तरशक्ति)। मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में अन्य पिछड़ा वर्ग के करीब एक हजार से अधिक छात्रों की छात्रवृत्ति अटक गई है। छात्रवृत्ति न आने से विद्यार्थियों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। कारण पता लगाने के लिए वह विभागों के चक्कर काट रहे हैं। छात्रों का कहना है कि प्रदेश सरकार की ओर से सामान्य और पिछड़े वर्ग के छात्र-छात्राओं की छात्रवृत्ति खाते में भेज दी गई है। केवल अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्रों की छात्रवृत्ति अभी तक नहीं आई है। छात्र विशाल यादव ने कहा कि उनकी छात्रवृत्ति का आवेदन एक जनवरी को संस्थान से भेज दिया गया था। जिला स्तरीय कमेटी ने जांच के बाद इसे एक मार्च को शासन में भेज दिया था। बताया कि होली के आसपास में लगभग सभी छात्रों की छात्रवृत्ति आ गई थी लेकिन केवल ओबीसी छात्रों की छात्रवृत्ति नहीं आई। संस्थान में पता करने पर कहा गया कि यहां से आवदेन सत्यापित कर दिया गया था। अब शासन स्तर से यह मामला लंबित है। छात्र शिवम ने कहा कि दूसरे छात्रों की छात्रवृत्ति 60 से 70 हजार रुपये तक आई है। बहुत सारे छात्र यहां एजुकेशन लोन लेकर पढ़ाई कर रहे हैं। भरोसा रहता है कि छात्रवृत्ति आ जाएगी तो लोन की रकम चुका दी जाएगी।

प्रताप सरनाईक फाऊंडेशन द्वारा नवरात्रोत्सव में कार्यक्रम सम्पन्न

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। प्रताप सरनाईक फाउंडेशन द्वारा आयोजित चैत्र नवरात्रोत्सव धूमधाम से मीरा भायंदर तथा थाणे में मनाया गया। माँ दुर्गा देवी की दर्शन कर आशीर्वाद लेने के साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद श्रद्धालुओं ने लिया। नवरात्रि के सभी दिनों में विभिन्न कार्यक्रमों को निर्धारित किया गया जिससे सभी लोग आनंद ले सके। देवी के आगमन से चारों तरफ उत्साह का माहौल रहा सुख शांति समृद्धि की प्रार्थना की गई। परिवहन मंत्री श्री प्रताप सरनाईक द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मीरा भायंदर के हजारों नागरिकों ने देवी दर्शन व सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद लिया। आए हुए सभी गणमान्यों का स्वागत व सम्मान भी किया गया।

योगीराज में विद्यालय के पास मदिरालय, ग्रामवासियों ने किया विरोध प्रदर्शन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने कहा था कि शराब शरीर और आत्मा दोनों का नाश करती है। आए दिन इसके दुष्परिणाम से जुड़ी अनेक दर्दनाक खबरें मिलती रहती हैं। शैक्षणिक और धार्मिक स्थानों के आसपास शराब की दुकान ना हो इसके लिए सुप्रीम कोर्ट और उत्तर प्रदेश आबकारी विभाग द्वारा गाइडलाइन जारी किया गया है, जिसके अनुसार शैक्षणिक या धार्मिक स्थलों से शराब की दुकानों की दूरी कम से कम 200 मीटर होनी चाहिए । इस गाइडलाइन की धज्जियां उड़ाते हुए बदलापुर तहसील अंतर्गत स्थित रामनगर गांव में अंग्रेजी शराब और बियर की एक दुकान खोली गई है। यहां से कंपोजिट विद्यालय रमनीपुर, प्राथमिक विद्यालय रामनगर तथा

पंडित राजबली शिक्षण संस्थान, रमनीपुर की दूरी बेहद कम है। शराब का यह ठेका खुलने से सबसे ज्यादा दिक्कत इन विद्यालयों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों तथा यहां से गुजरने वाली महिलाओं को हो रहा है। ग्रामवासियों ने अपनी पीड़ा स्थानीय विधायक से भी कही। कहीं न्याय न मिलता देख आज आक्रोशित तीन गांव, रमनीपुर, कृष्णापुर तथा रामनगर के लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया तथा अभिलंब यहां का ठेका स्थानांतरित करने की मांग की। बड़ी संख्या में उपस्थित अभिभावकों के साथ तीनों स्कूलों के बच्चे तथा शिक्षक भी विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए। विरोध प्रदर्शन में शामिल लोगों में आलोक रंजन, राम मिलन, उमेश मिश्र, राजेश निगम, अमित सिंह, सुभाष यादव, प्रमोद यादव,प्रवेश यादव, अशोक कुमार पांडे, आशुतोष, कपिल तिवारी, माता प्रसाद तिवारी, अरुण तिवारी, अरुण उपाध्याय, आकाश उपाध्याय, राहुल उपाध्याय,आदित्य, मुकेश, राम विलास, प्रमोद, राज कुमार, फूल चन्द्र यादव (प्रधान),रबी गौड़,(प्रधान), ओम यादव, दिलीप गुप्ता (पूर्व प्रधान), शीला, कुसुम, मुन्नी देवी, इसरावती, मीरा देवी, संजू देवी, अंकिता, आकांक्षा, खुशबू, बबिता, लक्ष्मी देवी, बबलू तिवारी समेत सैकड़ो लोगों का समावेश रहा। इस बारे में पूछे जाने पर विधायक रमेश चंद्र मिश्र ने कहा कि इसके पहले भी यहां सार्वजनिक स्थल पर खुल रही शराब की दुकान को बंद करवाया गया था। अगर यह शैक्षणिक संस्थान के करीब है तो इसे भी बंद करा दिया जाएगा।

रामनवमी के अवसर पर पूज्य स्वानंद बाबा आश्रम येऊर ठाने पहुचे डॉ. श्रीप्रकाश शुक्ला

थाणे (उत्तरशक्ति)। श्रीरामनवमी के उपलक्ष में आयोजित उत्सव में पूज्य स्वानंद बाबा आश्रम येऊर ठाणे में डॉ. श्रीप्रकाश शुक्ला (ब्लाक प्रमुख सुजानगंज) जौनपुर के समाजसेवी अपने मित्रो के साथ पहुचकर पूज्य स्वानंद बाबा की समाधी पर फूल माला चढ़ा कर दर्शन कर पूजन किया। बता दें डॉ श्रीप्रकाश शुक्ल समाज सेवा के साथ एक व्यवसाई भी हैं। जनपद जौनपुर विकास खंड सुजानगंज क्षेत्र में एक विशिष्ट स्थान रखते हैं। पूज्य बाबा स्वानंद के आश्रम में पहुंच कर जय श्री राम नारे के जयकारों के साथ आश्रम गुंज उठा। इस अवसर आश्रम के प्रमुख न्यासी भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रेम शुक्ला ने ब्लाक प्रमुख डॉ श्रीप्रकाश शुक्ला समेत आये हुये सभी अतिथियों का स्वागत-सत्कार किया। इस अवसर पर आरटीआई कार्यकर्ता अनिल गलगली,वरिष्ठ पत्रकार आदित्य दुबे, युवा समाजसेवी अरुण शुक्ला विशेष रूप से उपस्थित रहे।

संत श्रीगोरा कुंभार मंदिर कुंभार वाडा पनवेल में रामनवमी मनाई गई

पनवेल(उत्तरशक्ति)। संत श्रीगोरा कुंभार प्रतिष्ठान, पनवेल आयोजित श्री रामनवमी महोत्सव का आयोजन संत श्रीगोरा कुंभार मंदिर ,कुंभार वाड़ा, पनवेल, नवी मुंबई में रामनवमी के पर्व पर रविवार 6 अप्रैल को कुंभार वाड़ा पनवेल के संत श्रीगोरा कुंभार मंदिर में भगवान श्री राम का जन्मोत्सव मनाया गया। दिनभर धार्मिक अनुष्ठान हुए। वहीं शाम को शोभायात्रा और पालकी यात्रा निकाली गई। जिसमें सैकड़ो भक्तों ने भाग लिया।संत गोरा कुंभार मंदिर से भगवान पुरुषोत्तम श्री राम की पालकी यात्रा पनवेल शहर में शुरू हुई। यात्रा में ढोल तमाशा व झांकियां शामिल हुई, पालकी यात्रा में पुरुषों ,महिलाओं एवं बच्चों ने महाराष्ट्र की पारंपरिक वेशभूषा से सजे धजे नृत्य करते, झूमते हुए चल रहे थे। जय श्री राम के जय घोष से पनवेल शहर गूंज रहा था । ढोल तमाशा के कलाकारों ने अपनी कलाकारी से सबको मंत्र मुग्ध कर दिया। इस अवसर पर आयोजकों द्वारा महाप्रसाद का आयोजन भी किया गया था जिसका लाभ सैकड़ों लोगों ने लिया। इस अवसर पर बीजेपी के परेश दादा ठाकुर, आमदार विक्रांत दादा पाटिल, शिवसेना के प्रथमेश सोमण, महेश सावंत, शेतकरी के प्रीतम दादा म्हात्रे आदि मान्यवारों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। साथ ही साथ प्रजापति समाज विकास मंडल रजि. राष्ट्रीय सामाजिक संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष सी.पी. प्रजापति, रायगड जिला सचिव इंदर प्रजापति आदि ने भाग लिया। कार्यक्रम का आयोजन अमित पांडुरंग वाजेकर संत गोरा कुंभार प्रतिष्ठान अध्यक्ष किरण कळवेकर, कार्यकारी अध्यक्ष रितेश पनवेलकर, उपाध्यक्ष प्रसाद पनवेलकर, खजिनदार नरेंद्र पनवेलकर, सचिव आशिष पनवेलकर, पंच दिलीप पनवेलकर, गंगाराम कळवेकर, दत्तात्रेय पनवेलकर, सुरेश कल्याणकर, गजानन वाजेकर, भारत कल्याणकर आदि ने किया था।

मुलुंड के ओबेरॉय इटरनिया में राम नवमी पर भव्य शोभायात्रा एवम भजन संध्या का आयोजन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुलुंड प. के ला.ब.शास्त्री मार्ग स्थित ओबेरॉय इटरनिया सोसायटी में राम नवमी के पावन पर्व पर भव्य शोभायात्रा निकाली गई। जिसमें बच्चों ने राम सीता एवम रामायण के पात्रों का परिधान पहन कर, सजधज कर शोभायात्रा में हिस्सा लिया। इस अवसर पर सुप्रसिद्ध भजन गायक,गीत-संगीत कार अजय तिवारी एवम टीम द्वारा भगवान राम पर सुप्रसिद्ध भजन गाकर सभी का भरपूर मनोरंजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन कल्चरल कमेटी के मितेश दावड़ा, कार्तिक गोहिल, अंजनेय, भार्गव, गौरव अग्रवाल, राहुल मेहता, विनय गुप्ता, विपुल अईया, मेहुल मोदी, पियूष जोशी एवम सोसायटी के सभी सदस्यों द्वारा किया गया। इस अवसर पर महाप्रसाद की व्यवस्था थी। सभी सदस्य सपरिवार इस आयोजन में शामिल हुए।

उत्तर भारती संघ के पूर्व अध्यक्ष बाबू मिठाई लाल सिंह का 96 वर्ष में हुआ निधन,आज होगा 9:30 बजे अंतिम संस्कार

प्रेम चंद मिश्रा

मुंबई (उत्तरशक्ति)। उत्तर भारती समाज के गौरव कहे जाने वाले उत्तर भारतीय संघ के पूर्व अध्यक्ष एवं समाज सेवा के क्षेत्र में सक्रिय रहे 96 वर्षीय बाबू मिठाई लाल सिंह का दिनांक 6 अप्रैल शाम 4:00 बजे उनके आवास दादर में निधन हो गया । वे वर्षों से समाज हित के विविध कार्यों में उनका बड़ा योगदान रहा है उनके निधन पर उत्तर भारतीय समाज में शोक की लहर दौड़ पड़ी है। दी प्रताप कोऑपरेटिव बैंक के संस्थापक व महाराणा प्रताप सेवा मंडल के अध्यक्ष, माटुंगा दयानंद वैदिक विद्यालय एवं जूनियर कॉलेज मुलुंड, माटुंगा और चारकोप के अध्यक्ष के रूप में उनके कार्यों और व्यक्तित्व से संस्था आज शीर्ष स्थान पर है अदम्य इच्छा शक्ति और सकारात्मक सोच रखने वाले बाबू मिठाई लाल सिंह ने हमेशा उत्तर भारतीय समाज को संगठित कर मजबूत करने का काम किया। सादा जीवन उच्च विचार में विश्वास रखने वाले मिठाई लाल सिंह गांधीवादी परंपरा के रूप में देखे जाते थे उनके पार्थिव शरीर पर श्रद्धा सुमन अर्पित करने तथा उनका अंतिम दर्शन करने के लिए आज 8 अप्रैल 2025 दिन मंगलवार को सुबह 9:00 बजे माटुंगा दयानंद विद्यालय में पार्थिव शरीर का दर्शन करने का समय निर्धारित किया गया है। सुबह 9:30 बजे उनका अंतिम संस्कार सायन हॉस्पिटल के पास स्थित सायन श्मशान भूमि पर किया जाएगा। उनका अंतिम संस्कार पुत्र चंद्र कुमार सिंह करेंगे। उनके निधन पर भाजपा के मुम्बई प्रवक्ता प्रोफेसर डॉ दयानंद तिवारी, सायन मां विंध्यवासिनी देवी मंदिर ट्रस्टी भरत भाई शुक्ला, वडाला समाज सेवी के के मिश्रा बच्चन , ठाकुर दशरथ सिंह, अमित राजेन्द्र सिंह , दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के संपादक ओमप्रकाश प्रजापति उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा, पत्रकार संजय मिश्रा बब्लू , पत्रकार राजकुमार अग्रहरि, संतोष सिंह ने दुःख व्यक्त किया है। ईश्वर परिवार को दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

अज्ञात वाहन की चपेट में आकर युवक की मौत

हैदरगढ़,बाराबंकी। हैदरगढ़ भिटरिया मार्ग पर नैपुरा गांव के पास अज्ञात वाहन की चपेट में आकर भवानी सिंह पुरवा गांव के रिंकू मिश्रा (38) की मौत हो गई। मौके पर मौजूद लोगों का कहना था कि युवक एक ट्रक की चपेट में आया था। हादसे के बाद युवक वाहन के साथ करीब 50 मीटर दूर तक घिसटा था, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। हैदरगढ़ के थानापुर ग्राम पंचायत के मजरे भवानी सिंह पुरवा के रिंकू मिश्रा शनिवार सुबह करीब आठ बजे घर से निकले थे। भिटरिया मार्ग पर नैपुरा गांव के पास पैदल जाते समय अज्ञात वाहन की चपेट में आ जाने से उनकी मौत हो गई। तीन भाइयों में सबसे बड़े मृतक रिंकू का विवाह नहीं हुआ था। वह ट्रक पर खलासी का काम करता था। भाई नितेश ने बताया कि काम के सिलसिले में रिंकू घर से निकले थे। घटना स्थल पर मौजूद राहगीरों ने हादसे की जानकारी पुलिस को दी।

डॉ श्रीमती ऋजूता ओमप्रकाश दूबे एपकॉन 2025 अवार्ड से हुई सम्मानित

नालासोपारा (उत्तरशक्ति)। नालासोपारा पूर्व निवासी डॉ श्रीमती ऋतूजा ओमप्रकाश दुबे को एसोसिएशन ऑफ आयुर्वेद पर्व पर 5वां इंटरनेशनल और 14 वां नॅशनल सेमीनार में डॉ श्रीमती ऋजूता दुबे को एपकॉन 2025 अवार्ड से सम्मानित किया गया। इस सम्मान के लिए नरसिंह दुबे मेडिकल कॉलेज के संचालक प्रो डॉ ओमप्रकाश दुबे , पुत्र अमित ओमप्रकाश दूबे, जय प्रकाश दुबे, समाज सेवी नवीन दूबे, वसई विधायिका स्नेहा दुबे पंडित, दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के संपादक ओमप्रकाश प्रजापति, उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा, वडाला से समाज सेवी के के मिश्रा, मां विंध्यवासिनी मंदिर के ट्रस्टी भरत भाई शुक्ला, पत्रकार आनंद कुमार मिश्रा, समाजसेवी नरेंद्र सोनी ने हार्दिक बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं।

धारदार हथियार से तांत्रिक की हत्या

अयोध्या (उत्तरशक्ति)। यूपी के अयोध्या में सोमवार की सुबह एक तांत्रिक की लाश उसके घर में ही पड़ी मिली। वह पुश्तैनी घर से करीब 100 मीटर दूर मंदिर और बगल में एक छोटा सा घर बनवाकर रह रहा था। उसके गले और सिर पर धारदार हथियार से हमला करने के निशान मिले हैं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करके जानकारी जुटाई। दो लोगों को हिरासत में लिया गया है। घटना बारुन बाजार के डोभियारा पूरे बिशनपुर की है। यहां के निवासी राज बहादुर (60) उर्फ बाबा बेचन दास की हत्या हुई है। बड़े बेटे दिनेश ने बताया कि वह सुबह मंदिर की साफ-सफाई करने पहुंचा था। इसी समय कुछ महिलाएं गेहूं की कटाई के लिए जा रही थीं। उन्होंने लाश देखी तो चिल्लाकर उसे बुलाया। वह भागकर पहुंचा तो पिता की लाश देख चीख उठा। खबर मिली तो घर में चीख पुकार मच गई। घरवाले और ग्रामीण भागकर मौके पर पहुंचे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौका मुआयना करके जानकारी जुटाई। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। फोरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल का मुआयना करके साक्ष्य संकलित किए हैं। एसपी देहात बलवंत चौधरी ने भी मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल की। एसपी देहात ने बताया कि मृतक राज बहादुर उर्फ बाबा बेचन दास झाड़ फूंक का भी काम करता था। परिजनों ने कुछ लोगों पर हत्या करने की आशंका जताई है। दो लोगों को कस्टडी में लेकर पूछताछ की जा रही है।

प्रीमियम मेन्सवियर ब्रांड ईंजन भारत में लॉन्च के लिए तैयार

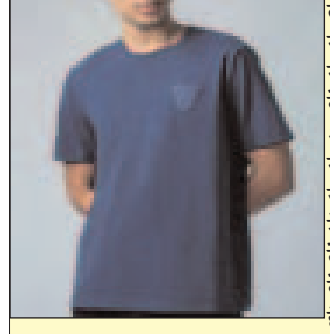

मुंबई। प्रीमियम मेन्सवियर ब्रांड ईंजन भारत में लॉन्च होने के लिए पूरी तरह तैयार है। यह ब्रांड लग्जरी फैशन को आम लोगों की पहुंच में लाकर फैशन इंडस्ट्री की पारंपरिक सोच को चुनौती देगा। इस ब्रांड की स्थापना ज्ञानप्रकाश, कार्तिकेयन के., कार्तिकेयन पी., रमेश कुमार और दिनेश डी. ने मिलकर की है। सभी संस्थापक डीजल और गेस जैसी प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय कंपनियों में काम कर चुके हैं और उन्होंने देखा कि भारत में प्रीमियम गुणवत्ता के कपड़े अक्सर बहुत महंगे होते हैं। इसी अंतर को दूर करने के लिए उन्होंने ईंजन की शुरूआत की। ईंजन का मुख्यालय बेंगलुरु में है और यह अपना पहला स्प्रिंग-समर 2025 कलेक्शन जल्द लॉन्च करेगा, जिसमें रोजमर्रा की जरूरतों के अनुसार बारीकी से डिजाइन किए गए परिधान होंगे। इस कलेक्शन में प्रीमियम सुपिमा कॉटन और सुपिमा ब्लेंड यार्न का उपयोग किया गया है, जिससे कपड़े मुलायम, टिकाऊ और बेहद आरामदायक बनते हैं। इस कलेक्शन में शामिल होंगे-मिस-जर्सी, माइक्रो-पिक, इंटरलॉक, जैक्वार्ड और क्रॉस-लूप फ्रेंच टेरी जैसे प्रीमियम टेक्सचर। उन्नत प्रिंटिंग तकनीकों और सुंदर कढ़ाई के साथ, यह परिधान अंतरराष्ट्रीय स्टाइल और गुणवत्ता का अनुभव कराएंगे। ईंजन एक डिजिटल-फर्स्ट और डायरेक्ट-टू-कंज्यूमर मॉडल पर काम करता है, जिससे ब्रांड को गुणवत्ता और मूल्य पर पूरा नियंत्रण मिलता है। ब्रांड का कलेक्शन सिर्फ उसकी आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध होगा और जल्द ही एंड्रॉयड और आईओएस के लिए मोबाइल ऐप भी लॉन्च किया जाएगा। कंपनी के निदेशक कार्तिकेयन के. कहते हैं, ह्लईंजन सिर्फ फैशन नहीं है, यह सोच में बदलाव की पहल है। अच्छी गुणवत्ता वाले कपड़े हर किसी के लिए होने चाहिए, न कि सिर्फ कुछ लोगों के लिए। ईंजन उन ग्राहकों के लिए एक समाधान बनना चाहता है जो उचित कीमत पर बेहतरीन कारीगरी और डिजाइन की तलाश करते हैं।

पुलिस विभाग की साइबर टीम 109 लोगों के गुम हुए मोबाइल लौटाए

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। पुलिस विभाग की साइबर टीम ने लोगों के गुम हुए 109 मोबाइल फोन वापस लौटाए तो फोन मालिकों के चेहरे पर मुस्कान लौट आई। लौटाए गए मोबाइल फोन की कीमत लगभग 23 लाख रुपये बताई गई है, जिसमे अलग-अलग कंपनी के मोबाइल शामिल है। वहीं, पुलिस ने वर्ष 2024 में अब तक कुल करीब दो करोड़ 80 लाख रुपये कीमत के 1555 एंड्रायड मोबाइल बरामद कर उनके मालिकों को सौंप चुकी है। एसपी ग्रामीण चिराग जैन ने बताया कि जनपद में माह फरवरी 2024 से गुमशुदा मोबाइल फोन की बरामदगी के लिए अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें गुमशुदा मोबाइल धारकों द्वारा सीईआईआर पोर्टल पर आनलाइन अपनी शिकायत दर्ज की जाती है। पुलिस द्वारा माह फरवरी 2024 से मार्च 2025 तक कुल 1555 एंड्रायड मोबाइल फोन बरामद किए।

मुम्बादेवी का लोगों ने लिया आर्शिवाद

मुम्बई(उत्तरशक्ति)। मुंबई माता मुम्बादेवी जी के आशिर्वाद से सब चल रहा और हरकोई माता जी से आशिर्वाद के लिए आता रहता है। नवरात्र के इस पावन पर्व में यही देखनो को मिला। जहां लाखों श्रद्धालु दर्शन की कतारो में खड़े दिखे। उन्हीं में से एक नेता आमदार मंगेश कुडालकर कुर्ला से चलकर परिवार सहित माता जी का दर्शन कर आशिर्वाद लिया। इस अवसर पर शिवसेना कुलाबा समन्वयक (शिंदेगुट) प्रसाद गवाणर ने आमदार को साल पहनाकर जोरदार स्वागत किया और साथ में वरिष्ठ समाजसेवी हौशिला प्रसाद गुप्ता, कन्हैया लाल काकड़, गणेश दुबे तमाम कार्यकर्ता और समाजसेवी लोग मौजूद रहे।

गायत्री मंत्रोच्चार से गूंजा डोंबिवली शहर

ठाणे (उत्तरशक्ति)। डोंबिवली (पश्चिम) भागशाला मैदान में अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार द्वारा गायत्री परिवार डोंबिवली के तत्वावधान में 4 अप्रैल से 7 अप्रैल 2025 तक चलने वाला गायत्री महायज्ञ का समापन हुआ। शांतिकुंज हरिद्वार के प्रकांड विद्वान, संगीत टोली एवं गायत्री परिवार प्रतापगढ़ के मर्मज्ञ राजेश पांडे के मार्गदर्शन में जनजागृति हेतु कलश शोभायात्रा, जनकल्याण हेतु दीक्षा, गायत्री मंत्रोच्चार की विधि,108 कुण्डीय महायज्ञ,11,111 अखंड ज्योति प्रज्वलित, देव पूजन,भागवत कथा तथा प्रवचन, गीत एवं महाप्रसाद का लाभ ठाणे डोंबिवली सहित मुंबई महानगर के लोगों ने लिया। गायत्री महायज्ञ के धूप-हवन के साथ गायत्री मंत्रोच्चार से संपूर्ण डोंबिवली शहर गूंज उठा। उक्त समारोह का आयोजन अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार, संयोजन गायत्री परिवार डोंबिवली की श्रीमती संध्याताई डोंबिवलीकर, अनंत प्रसाद त्रिपाठी,कमलेश सेठ,हरीश सेटी, आशीष कुमार सिंह, जयवंत झुंझारराव, अन्य सहयोगी नरेश सिंह, डिंपल सिंह,नरेश पाटील, शैललता पाटील, रवि प्रकाश मिश्र प्रतापगढ़, सरिता कमलेश सेठ, अरविंद कुमार अज्ञेय अयोध्या का सहयोग अतुलनीय रहा। उक्त जानकारी कवि एवं पत्रकार विनय शर्मा दीप मुंबई ने दिया।

झूलेलाल बाप्पा उत्सव मनाया गया

मुंबई। झावेरी बाजार में स्तिथि धनजी स्ट्रीट के महान समाजसेवी उघोगपति कन्हैयालाल काकड़ और वरिष्ठ समाजसेवी भावी नगर सेवक सी वार्ड के दागिना बाजार के सबसे बहुमुखी प्रतिभा के प्रभावशाली व्यक्तित्व के धनि हौशिला प्रसाद गुप्ता के प्रयास से बाप्पा झूले लाल जी का उत्सव बड़े धूम धाम से मनाया गया। इस कार्यक्रम में कर्मठ मिलनसार उच्च विचार रखने वाले नेता शिवसेना (शिंदेगुट) प्रसाद गावणकर आए और उनको श्री काकड़ महाराष्ट्र के वीरसपूत श्री छत्रपति शिवाजी महाराज की मूर्ति देकर सम्मानित किया। इस सम्मान को पाकर गावणकर भी अभिभूत हो गए और सभी का आभार प्रकट किया। इस अवसर पर सी वार्ड के सबसे युवा नगर सेवक आकाश राज के पुरोहित भी मौजूद रहे। युवा सेना अध्यक्ष शनि सानप और वरिष्ठ समाज सेवक कुलाबा प्रभारी भाजपा के जनक संघवी कार्यक्रम में आकर सभी लोगो का उत्साह बढ़या। कल्याण जिला भाजपा के कोषाध्यक्ष संजय तिवारी भी अपना बहुमूल्य समय निकाल कर भाग लिया।

चोरी के माल सहित दो आरोपी गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक जौनपुर द्वारा अपराध व अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे।अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के कुशल निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी सदर के निकट पर्यवेक्षण में थाना सिकरारा पुलिस टीम द्वारा प्र0नि0 अमित कुमार सिंह नेतृत्व में उ0नि0 रामनेवास, का0 पंकज यादव, का0 संजय यादव प्रथम द्वारा मुखबिर की सुचना पर राजनेति यादव इ0का0 वहद ग्राम बभनौली के पास से मु0अ0सं0- 79/25 धारा 305/317(2) बीएनएस से सम्बन्धित 02 आरोपीगण . सन्नी उर्फ शनी गौतम पुत्र करीमन गौतम निवासी ग्राम डमरुआ थाना सिकरारा जनपद जौनपुर, 2. भैय्यालाल उर्फ भाईलाल पुत्र सुभाष गौतम निवासी ग्राम डमरुआ थाना सिकरारा जनपद जौनपुर के पास से समय 12.02 पीएम बजे गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।

जौनपुर: सरकारी विद्यालय में हुआ स्मार्ट क्लास का शुभारंभ

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जनपद के मड़ियाहूं ब्लॉक में सुदूर ग्रामीण क्षेत्र में स्थित कंपोजिट विद्यालय गौहर, मड़ियाहूं, जौनपुर में तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा देने हेतु स्मार्ट क्लास का उद्घाटन मड़ियाहूं खंड शिक्षा अधिकारी उदयभान कुशवाहा द्वारा किया गया।विद्यालय में स्मार्ट टीवी को सोशल वेलफेयर एंड अपलिफ्टमेंट ग्रुप दिल्ली के संस्थापक अवधेश अग्रवाल के माध्यम से उमेश गुप्ता, पुणे ने सप्रेम भेंट किया। इस मौके पर खंड शिक्षा अधिकारी ने शिक्षक शिवम सिंह की सराहना करते हुए अपने उद्बोधन में कहा कि इस प्रयास से बच्चों के शैक्षिक संवर्धन में निश्चित रूप से लाभ मिलेगा। उन्होंने स्मार्ट टीवी प्रदान करने वाले अवधेश अग्रवाल एवं उनके पूरी टीम को आभार ज्ञापित किया। स्कूल चलो अभियान के अंतर्गत नवीन नामांकन किए गए तथा उत्कृष्ट छात्रों को निपुण बैज लगाया गया। अभिभावकों ने बच्चों के अंग्रेजी व हिंदी लेखन तथा अन्य शैक्षिक परिवर्तन की भी सराहना की गई। सांस्कृतिक कार्यक्रम में बच्चों ने सबका मन मोह लिया। सामुदायिक सहयोग में प्रणय पाल द्वारा शैक्षिक सामग्री प्रदान किया गया। ग्राम प्रधान गौहर संतोष गिरी की अध्यक्षता में शारदा संगोष्ठी व वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ग्रामवासियों से नवीन नामांकन एवं बच्चों के प्रगति पर चर्चा की गई। खेल में उत्कृष्ट कार्य हेतु रविचंद्र यादव जी को सम्मानित किया गया। प्रधानाध्यापक राम सजन यादव ने सभी का आभार ज्ञापित किया। इस अवसर पर विशाल सिंह, राम प्रसाद यादव, श्यामिनी सिंह, राकेश कुमार, राजकमल यादव, सौम्या सिंह, प्रेम तिवारी, जितेंद्र पाल, विजय कुमार, फूलचंद, अजय पाल, अमित अस्थाना, राकेश सिंह, दीपक सिंह, मीना, गीता, जय सिंह यादव, अश्विनी कुमार, अनिल यादव व अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

हूटर सायरन लगी वाहनों के आतंक से आमराहगीर परेशान

-सुरेश गांधी

वाराणसी। केंद्र सरकार से लेकर योगी सरकार के सख्त निर्देश के बावजूद वाराणसी में धडल्ले से हूटरबाज सड़कों पर फरार्टा भर रहे हैं। एक-दो नहीं बल्कि कारों का काफिलों बनाकर सड़कों पर हूटर बजाकर आम नागरिकों पर अपना भौकाल बनाते फिर रहे हैं। टोकने पर दो टूक किसी जनप्रतिनिधि का नाम लेकर कहते है, जिसकों जो उखाड़ना हो उखाड लें। हालांकि गत दिनों संबंधित अधिकारियों की बैठक में मंडलायुक्त कौशलराज शर्मा ने सख्त हिदायत दी है कि जहां कहीं हूटरबाज मिले, उनके खिलाफ कार्रवाई करते हुए क्षेत्रीय थानों में मुकदमें दर्ज करने के साथ जुमार्ना वसूला जाएं।

बता दें, केन्द्र सरकार ने 6 साल पहले अधिकारी, नेताओं सहित सभी प्रकार के वाहनों से हूटर हटाकर पाबंदी लगा दी है, लेकिन अधिकारियों का छोडिए छुटभैये नेता भी अपने वाहनों में हूटर बजाकर धड़ल्ले से घूम रहे हैं। मतलब साफ है लॉ एंड ऑर्डर संभालने वाले प्रशासनिक अधिकारियों के वाहन तो

फिर भी ठीक है, लेकिन रंगबाजों का हूटर प्रेम समाप्त होता नहीं दिख रहा है। जबकि मुख्यामंत्री योगी आदित्यनाथ वीवीआईपी कल्चर खत्म करने हूटर प्रेशर हार्न के खिलाफ बडी कार्रवाई के निर्देश देते हुये कार्रवाई न होने की दिशा में सीधा थाना प्रभारी पर कार्रवाई के निर्देश दिये है। इन सबसे ठीक उल्ट कुछ नेता, व्यापारी व अफसर बेवजह हूटर प्रेशर हॉर्न बजाकर लोगो का उत्पीडन कर रहे है। इतना नही रोकने टोकने पर स्थानीय लोगो को धमकी भी दी जा रही है।

हाल यह है कि अधिकारियों के साथ छुटभैया नेता, ठेकेदार और कंपनी के वाहनों में भी हूटर लगाकर धड़ल्ले से सड़कों पर घूम रहे हैं। जबकि लॉ एंड ऑर्डर संभालने वालों के अलावा अन्य किसी विभाग के अधिकारियों या राजनीतिक दल के पदाधिकारियों को हूटर लगाने की अनुमति नहीं हैं। शहर की दुकानों में बिना आईडी हूटर, सायरन और प्रेशर हॉर्न बिक रहे हैं. जबकि हूटर और प्रेशर हॉर्न बेचने वालों को खरीदने वालों का नाम, पता, गाड़ी नंबर, आरसी की फोटो कॉपी, डीएल की फोटो कॉपी, आधार कार्ड की फोटो कॉपी और एक फोटो लेकर रजिस्टर मेंटेन करना होगा, लेकिन शहर में इस आदेश की धज्जियां उड़ते दिखाई दे रहे हैं।

इन वाहनों में हूटर लगा सकते हैं

हूटर और सायरन का इस्तेमाल इमरजेंसी में फायर ब्रिगेड की गाड़ी और एम्बुलेंस ही कर सकते हैं। इन्हें भी हर समय सायरन और हूटर बजाने का अधिकार नहीं है। एम्बुलेंस में मरीज होने पर ही सायरन और हूटर बजाया जा सकता है। इसके अलावा आग की सूचना पर जाते समय ही फायर ब्रिगेड की गाड़ी में सायरन और हूटर का यूज हो सकता है। इमरजेंसी की हालत में पुलिस भी सायरन के इस्तेमाल का अधिकार है।हाल यह है कि फर्जी का भौकाल बनाने के लिए लोग को कार के बोनट के नीचे छिपा लेते हैं। कहीं पर भी आते-जाते ये अपनी दबंगई दिखाने के लिए हूटर बजा देते हैं। इतना ही नहीं कहीं पर और कभी भी हूटर की साउंड सुनकर आसपास बैठी पुलिस अलर्ट तो हो जाती है, लेकिन बाद में कोई इमरजेंसी सेवा नहीं देखकर फिर से बैठ जाती है। हैरत की बात ये है कि इस तरह से अवैध ढंग से लगाए गए हूटर उतरवाने की जहमत भी उनके द्वारा नहीं उठाई जाती। यही वजह है कि हूटर लगे ये वाहन आपको शहर में लगभग रोज ही घूमते दिखाई दे जाते हैं। अचानक किसी भी समय हूटर की आवाज भी सुनाई देने लगती है।

10 हजार तक जुमार्ना

अगर आप अपने वाहनों में हूटर लगाए पाए जाते हैं तो ट्रैफिक पुलिस और परिवहन विभाग कार्रवाई करता है। इसके साथ ही पटाखा साइलेंसर और हूटर का यूज करने पर 10 हजार रुपए का चालान और वाहन से हूटर और साइलेंसर को निकलवा दिया जाता है।

चोरी की एक मोटरसाईकिल के साथ आरोपी गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक जौनपुर द्वारा अपराध व अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के कुशल निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी मछलीशहर के निकट पर्यवेक्षण में थाना मुंगराबादशाहपुर पुलिस टीम द्वारा प्र0नि0 के नेतृत्व में उ0नि0 सुनील कुमार यादव मय हमराह द्वारा आज 06.04.2025 को प्रतापगढ से जौनपुर जाने वाले मार्ग पर इटहरा चौराहे के पास से मु0अ0सं0-89/25 धारा 303(2) बीएनएस से सम्बन्धित चोरी गयी मोटरसाईकिल के साथ आरोपी छोटू खाँन पुत्र अली अरब खाँ निवासी ग्राम कैलीडीह थाना फतनपुर जनपद प्रतापगढ एवं बाल अपचारी विपिन कुमार पुत्र जवाहर लाल गौतम निवासी कैलीडीह थाना फतनपुर जनपद प्रतापगढ को समय करीब 07.05 बजे गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी एवं बरामदगी के आधार पर आरोपी एवं बाल अपचारी के विरुद्ध विधिक कार्यवाही कर न्यायालय भेजा गया।

वक्फ बोर्ड बिल पर मेरी राय...

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वर्तमान समय में वक्फ बोर्ड बिल को लेकर जो चर्चा और बहस चल रही है। वह न केवल धार्मिक भावनाओं से जुड़ी हुई है। बल्कि सामाजिक न्याय, संवैधानिक मूल्यों और कानून के शासन से भी गहराई से संबंधित है। एक अधिवक्ता होने के नाते मेरा यह कर्तव्य है कि मैं इस मुद्दे पर समाज को कानूनी और वस्तुनिष्ठ दृष्टिकोण से अवगत कराऊं।भारत जैसे धर्मनिरपेक्ष और विविधताओं वाले देश में वक्फ संपत्तियां एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इनका मूल उद्देश्य समाज के वंचित और जरूरतमंद तबकों की सहायता करना होता है। लेकिन वर्षों से यह देखा गया है कि वक्फ संपत्तियों का प्रबंधन पारदर्शी नहीं रहा, जिससे उनका दुरुपयोग, अवैध कब्जे और भ्रष्टाचार जैसी समस्याएं उत्पन्न हुईं। ऐसे में किसी विधेयक द्वारा इन संपत्तियों के संरक्षण और सुव्यवस्थित प्रबंधन की कोशिश की जाए, तो वह स्वागत योग्य हो सकता है – बशर्ते उसमें सभी पक्षों का ध्यान रखा गया हो।प्रस्तावित वक्फ बोर्ड बिल की कुछ धाराओं पर समाज में आशंका जताई जा रही है, विशेषकर वे प्रावधान जो वक्फ बोर्ड को असीमित अधिकार देने की बात करते हैं। उदाहरण के लिए, यदि वक्फ बोर्ड को किसी भी संपत्ति को वक्फ घोषित करने का एकतरफा अधिकार मिल जाता है और मालिक को उचित सुनवाई का अवसर नहीं दिया जाता, तो यह संविधान के अनुच्छेद 14 (समानता का अधिकार) और अनुच्छेद 300अ (संपत्ति के अधिकार) का उल्लंघन माना जा सकता है।इसके अलावा यह भी जरूरी है कि विधेयक में स्पष्ट अपील प्रक्रिया हो, जिससे किसी भी नागरिक को न्याय पाने का पूरा अवसर मिले। कानून का उद्देश्य भय पैदा करना नहीं, बल्कि न्याय सुनिश्चित करना होना चाहिए। अगर किसी विधेयक से समाज के किसी विशेष वर्ग में असुरक्षा की भावना जन्म ले रही है, तो सरकार को चाहिए कि वह उस भावना का सम्मान करे और पारदर्शी संवाद के जरिए समाधान निकाले।वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन के लिए जरूरी है कि बोर्ड की संरचना निष्पक्ष और बहु-सांस्कृतिक हो, जिसमें विभिन्न पृष्ठभूमियों से विशेषज्ञ शामिल हों। इसके अलावा, सभी धार्मिक न्यासों के लिए एक समान विधिक ढांचा बनाने की आवश्यकता है, जिससे न्याय की अवधारणा समान रूप से लागू हो सके। अंततः, मेरी समाज से अपील है कि इस विषय पर भावनाओं में बहने की बजाय तथ्यों, विधिक प्रावधानों और न्याय की कसौटी पर विचार करें। किसी भी कानून की वैधता उसके उद्देश्य, प्रक्रिया और क्रियान्वयन पर निर्भर करती है। मेरी सरकार से भी विनम्र अपील है कि वह इस बिल को पास करने से पूर्व सभी हितधारकों – अधिवक्ताओं, सामाजिक संगठनों, धर्मगुरुओं और नागरिकों – से विस्तृत विमर्श करे, ताकि यह विधेयक वास्तव में समाज के हित में सिद्ध हो।

अमित तिवारी- अधिवक्ता, सिविल कोर्ट, जौनपुर

भव्य झांकी और भगवा निशान के साथ निकली रामनवमी कि शोभायात्रा

चिराना। कस्बे में भगवान श्रीराम के जन्मदिन के उपलक्ष्य में रविवार को श्रीरामनवमी पर्व पर ग्राम चिराना मे विशाल शोभायात्रा निकाली गयी। शोभायात्रा का शुभारंभ सीकर रोड स्थित गणेश मंदिर से हुआ, यहां से शुरू होकर बस स्टेण्ड,लाल गट्टा, चारभुजा नाथ मंदिर,गायत्री मंदिर, गणगौरी चौक से होते हुए राम दरबार मंदिर में शोभायात्रा का समापन किया गया। शोभायात्रा में भगवा ध्वज निशान लेकर चले, डीजे की धुन पर नाचते झूमते धर्म प्रेमी भगवा लहराते नजर आए और इस शोभायात्रा में सैंकड़ों ग्रामीण उपस्थित रहे। शोभायात्रा में राम दरबार कि संजीव झांकी सजाई गई और प्रसाद वितरण किया गया। आयोजक श्रीराम जांगिड़ ने बताया कि प्रतिवर्ष शोभायात्रा का आयोजन संतों के सानिध्य में किया जाता रहा है। चिराना सहित आस पास के सभी हिंदू संगठनों के नागरिक शामिल होकर शोभायात्रा को सफल बनाया है। राम दरबार मंदिर में शोभायात्रा की आरती के बाद समापन किया गया।इस दौरान गोठड़ा पुलिस प्रशासन तैनात रहा। जगह जगह पर ग्रामीणों द्वारा पुष्प वर्षा की गई एवं जलपान कि सेवाएं भी रही। इस दौरान महन्त योगी दास महाराज, गोवर्धन सिंह,विनोद पारीक, विष्णु स्वामी, डॉ राजेन्द्र कुमावत, डॉ प्रताप राम कुमावत, बाबुलाल सैनी, प्रदुम्न गौतम, भवानी सिंह, सुरेश सैन, कैलाश सैनी, अंकित शर्मा, एडवोकेट बजरंग लाल सैनी,सुमित पारीक, जितेन्द्र सैन, रितिक सैनी, संदीप, कृष्ण चौहान, मौनी सैन, विकास कुमार राकेश कुमावत, जगदीश कुमावत सहित सैंकड़ों ग्रामीण इस शोभा यात्रा मेंउपस्थित रहे।

भाजपा संसद और विधानसभाओं में प्रतिनिधित्व के मामले में दुनिया का सबसे बड़ा राजनीतिक दल है : पुष्पराज सिंह

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। भारतीय जनता पार्टी के 45वां स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर सीहीपुर स्थित कार्यालय पर भाजपा का झंडारोहन किया गया तत्पश्चात एक प्रेस वार्ता आयोजित की गई। प्रेस वार्ता जौनपुर और मछलीशहर जिला का सयुंक रूप से पुष्पराज सिंह और अजय सिंह ने की ।जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह ने कहा कि 1951 में गठित जनसंघ से अलग होकर 6 अप्रैल 1980 को भारतीय जनता पार्टी की स्थापना हुई भाजपा आज भारत की प्रमुख राजनीतिक पार्टी है यह संसद और विधानसभाओं में प्रतिनिधित्व के मामले और प्राथमिक सदस्यता के मामले में दुनिया का सबसे बड़ा राजनीतिक दल है। अपने वैचारिक अधिष्ठान के साथ विचारधारा के स्तर पर भाजपा एक राष्ट्रवादी पार्टी है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के साथ हमारे वैचारिक और संगठनात्मक संबंध हैं ।राजनीतिक क्षेत्र में भाजपा की स्थापना युगांतकारी घटना मानी जाती है। भाजपा की स्थापना जरूर 1980 में हुई थी लेकिन इसकी बुनियाद स्वतंत्रता सेनानी डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने 1951 में ही भारतीय जनसंघ बनाकर कर दी थी। जनसंघ की तरह भाजपा का आरंभ काफी कठिनाइयों वाला रहा। 1984 में तत्कालीन प्रधानमंत्री की हत्या

के बाद देश में जो आम चुनाव हुए थे उसमें भाजपा को महज दो सीटें मिली थी लेकिन आज 45 वर्ष में भाजपा न केवल तीसरी बार केन्द्र की सरकार में है अपितु 19 राज्यों में भाजपा सहयोगियों या बिना सहयोगियों के साथ सरकार में है। 1980 में जब भाजपा की स्थापना हुई तो सबसे पहले उत्तर प्रदेश में संगठन की अध्यक्षता माधव प्रसाद त्रिपाठी को सौंपी गई। वह 1980 से 1984 तक अध्यक्ष रहे। उनका कार्यकाल खत्म हुआ तो संगठन के बड़े नेता रहे कल्याण सिंह जी अध्यक्ष बने इसके बाद क्रमशः राजेन्द्र गुप्त, कलराज मिश्र, राजनाथ सिंह, ओमप्रकाश सिंह का साथ मिला। आगे भी इसी तरह क्रम चलता रहा और बारी-बारी से विनय कटियार, केशरीनाथ त्रिपाठी, रमापतिराम त्रिपाठी, सूर्यप्रताप शाही, लक्ष्मीकांत बाजपेयी, केशव प्रसाद मौर्य, डा. महेद्र नाथ पांडेय और स्वतंत्रदेव सिंह ने उत्तर प्रदेश में संगठन की अध्यक्षता संभाली इसके बाद भूपेन्द्र सिंह चौधरी प्रदेश अध्यक्ष के रूप में भाजपा की सेवा में रत है।यह संगठन की महत्ता है कि सभी सामान्य पृष्ठभूमि से आने वाले कार्यकर्ता पार्टी के सबसे बड़े पद को संभाल रहे हैं। यही विशेषता भाजपा को दूसरे दलों से अलग करती है। भाजपा में सामान्य से सामान्य कार्यकर्ता आगे बढ़कर किसी भी जिम्मेदारी को संभाल सकता है यह प्रेरणा पार्टी में हर कार्यकर्ता को प्राप्त है। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा के अपने कई प्रकोष्ठ है समाज के हर वर्ग के लिये भाजपा अपन प्रकोष्ठों के माध्यम से कार्यरत है 1980 में भाजपा बनने के बाद आज 45 वर्षों में युवा मोर्चा महिला मोर्चा किसान मोर्चा पिछड़ा मोर्चा अनुसूचित मोर्चा बहुत मजबूत हो गया है भाजपा के सभी मोर्चा मंडल स्तर पर संगठन का विस्तार कर चुके हैं। भाजपा ने संगठनात्मक दृष्टि से प्रदेश को 90 जिलों में बांटा है। प्रत्येक तीन वर्ष पर भाजपा का संगठनात्मक चुनाव होता है जिसमें बूथ, मंडल, जिला और प्रदेश स्तर पर कार्यकर्ता चुनकर अपना नेता तय करते हैं ऐसी लोकतांत्रिक प्रक्रिया किसी दूसरे दल में आपको नहीं मिलेगी। उन्होंने आगे कहा कि 1989 से अयोध्या में प्रभु श्री राम का मंदिर बनाने के लिये आंदोलन आरंभ किया गया इस बीच भारतीय जनता पाटी का जनाधार बढने लगा था। उत्तर प्रदेश में भाजपा संगठन की तमाम उपलब्धियों के बीच उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ जी की सरकार की सेवा, सुरक्षा और सुशासन की नीति के 8 वर्ष पूरे हुये हैं। आज भाजपा सरकार ने आम लोगों को घर, बिजली और पानी देने की महत्वाकाक्षी योजना चला रही है अपराध और अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस नवंबर 2020 में उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम लागू हुआ एक जिला एक मेडिकल कॉलेज के तहत हर जिले में मेडिकल कॉलेज की स्थापना, अयोध्या तीर्थ विकास परिषद, देवीपाटन तीर्थ विकास परिषद, उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद, श्री विंध्य धाम तीर्थ विकास परिषद, श्री चित्रकूट धाम तीर्थ विकास परिषद, नैमिषारण्य धाम तीर्थ विकास परिषद एवं श्री शुक्र तीर्थ विकास परिषद का गठन, वाराणसी में श्री काशी विश्वनाथ धाम कॉरिडोर, अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर निर्माण, अयोध्या दीपोत्सव, ब्रज रंगोत्सव, काशी की देव दीपावली। जिलाध्यक्ष मछलीशहर अजय सिंह ने कहा कि भाजपा एकमात्र ऐसा राजनीतिक दल है जो अपने सभी पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों के लिये समय-समय पर प्रशिक्षण शिविर का आयोजन करता है। भाजपा संगठन में समाज के सभी पिछडे, दलित, आदिवासी, अति दलित एवं महिलाओं को भी प्रतिनिधित्व मिला है। भाजपा का अपना कार्यालय बनाने की प्रक्रिया आरंभ की गई है। हर बूथ पर भाजपा के 17 सदस्यी बूथ समिति के साथ बूथ अध्यक्ष, बूथ प्रभारी की मौजूदगी है जो दिन प्रतिदिन के अभियान को चलाते हैं। प्रधानमंत्री के मन की बात हर महीने देश के प्रत्येक बूथों पर सुनी जाती है, आज प्रत्येक शक्तिकेन्द्र पर इनकी बैठक बूथ कमेटी, शक्तिकेंद्र संयोजक और प्रभारी के साथ होती है।

परीक्षा परिणाम आयोजन रहा सफल

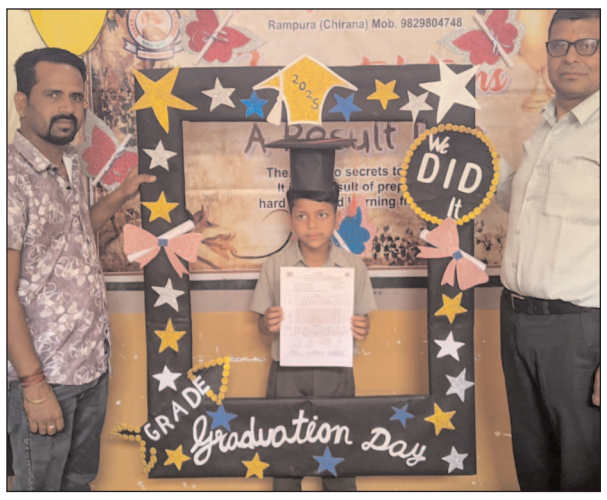

चिराना। निकटवर्ती ग्राम रामपुरा की विवेकानंद सीनियर सेकेंडरी स्कूल का रामपुरा में सत्र 2024-25 का अंग्रेजी माध्यम का परिणाम सोमवार को घोषित किया गया। इस दौरान विद्यालय में कक्षा अनुसार प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को ट्रॉफी, रिजल्ट तथा मेडल देकर व साथ में अभिभावक सहित सम्मान किया गया।प्रिंसिपल रामगोपाल शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि रिजल्ट के साथ अन्य शैक्षणिक गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को भी विद्यालय के डायरेक्टर सुनील कुमार शर्मा, प्रिंसिपल रामगोपाल शर्मा, इंग्लिश मीडियम के कोऑर्डिनेटर राजीव सक्सेना,मनोज कुमावत तथा समस्त स्टाफ के द्वारा प्रशस्ति पत्र और मेडल देकर सम्मानित किया गया।साथ ही आगामी सत्र के सर्वश्रेष्ठ बोर्ड रिजल्ट के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित किया गया। इस दौरान विद्यालय स्टाफ व अभिभावक जन उपस्थित रहे।

अरुणोदय सर्जिकल एण्ड ट्रामा सेन्टर
ARUNODAYA Surgical & Trauma Center

जनरल सर्जरी
स्त्री एवं प्रसूति रोग
आर्थोपेडिक (सर्जरी एवं परामर्श)
कीमोथिरैपी सुविधा उपलब्ध
न्यूरो सर्जरी (परामर्श एवं सर्जरी)
वेन्टिलेटर एवं डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध
प्रशिक्षित डाक्टर स्टाफ तथा सभी मानकों पर खरा उतरने वाला जनपद का एक मात्र हास्पिटल
दूरबीन विधि द्वारा सभी प्रकार की सर्जरी
जनरल मेडिसिन, मधुमेह रोग
गुर्या एवं मूत्र रोग (सर्जरी एवं परामर्श)
गैस्ट्रोइन्टरोलॉजी (इण्डोस्कोपी एवं कालोनोस्कोपी)
एक्सीडेण्टल एवं ट्रामा इमरजेन्सी
सेवा 24 घण्टे उपलब्ध
डा. अरूण आर. सिंह
कन्सल्टेन्ट लैप्रोस्कोपिक सर्जन
एस.एम.ओ.) एल.टी.एम.एम. जी. एच. (सायन हॉस्पिटल मुम्बई)
स.आर.) एम. जी.एम. मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल (नवी मुम्बई)
रजि.नं.-82945 (यू.पी.एम.सी.)
डा0 पुनीत सिंह
M.S.M.C.H.
गुर्दा एवं मूत्र रोग विशेषज्ञ (यूरो सर्जन)
डा0 रवि प्रकाश सिंह
M.S. (Ortho)
हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ
डा0 प्रभात सिंह
M.D.(Medicine)
कंसल्टेंट फिजिशियन
डा0 सुमित कुमार सिंह
M.D.(Neuro Psychiatrist)
मानसिक रोग विशेषज्ञ
24/7 Emergency Services
बीमा कार्ड धारकों के लिए विशेष सुविधा उपलब्ध
Medi Assist STAR
आयुष्मान कार्ड द्वारा नि:शुल्क इलाज की सुविधाएं
8090966086,8090015086
कलीचाबाद,जौनपुर

जीवन रक्षा हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेन्टर

डा0 नवीन कुमार सिंह
M.B.B.S., M.S. (Ortho)
हड्डी व जोड़ रोग विशेषज्ञ
पूर्व सिनियर रेजि. एल.बी.एस. हॉस्पिटल, नई दिल्ली
ए.एस.बी. हॉस्पिटल, नई दिल्ली
संजय गाँधी हॉस्पिटल, नई दिल्ली
पूर्व असि0 प्रोफेसर एच.आई.एम.एस. लखनऊ

डा0 शिल्पी सिंह
M.B.B.S., M.S. (Obs & Gyn)
स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
पूर्व सिनियर रेजि. एल.बी.एस. हॉस्पिटल, नई दिल्ली
ए.एस.बी. हॉस्पिटल, नई दिल्ली
संजय गाँधी हॉस्पिटल, नई दिल्ली
पूर्व असि0 प्रोफेसर एच.आई.एम.एस. लखनऊ
सुविधाएं- अल्ट्रासाउण्ड, ई.सी.जी., एक्स-रे, पैथोलॉजी,सी0टी0जी0 मशीन, कालपोस्कोपी, फेक्चर, गठिया. कमर. दर्द. ऑथरार्डटिस. फिजियोथिरैपी. कल्ला प्रत्यारोपण
सिजेरियन डिलीवरी, बच्चेदानी का ऑपरेशन, ट्यूमर का ऑपरेशन, नसबन्दी इत्यादि ।
आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना की सुविधा उपलब्ध
हड्डी रोग विभाग स्त्री एवं प्रसूति विभाग
24/7 Emergency Services
प्रत्येक गुरुवार नि:शुल्क ओ0पी0डी0
संपर्क करें- 6390303050
प्रति परिवार प्रति वर्ष 5 लाख रुपये तक का इलाज पूर्णतया नि:शुल्क। इलाज के दौरान दवा, जाँच जैसे कि एक्स-रे इत्यादि पूर्णतया नि:शुल्क
पुलिस चौकी के सामने, सिपाह, आजमगढ़ रोड, जौनपुर